तरुण छत्तीसगढ़

e-Paper- tarunchhattisgarhkorba.com

कोरबा एवं रायपुर से एक साथ प्रकाशित डाक पंजीयन क्रमांक- जी2-112/सी.जी/बीएलपी/003/2024-2026

वर्ष 37 अंक 37 | कोरबा, शुक्रवार, दिनांक 07 नवंबर 2025 डाक 08 नवंबर 2025 | पृष्ठ : 8 मूल्य 2.00 रुपए

सुनालिया ज्वेलर्स
हीरा, स्वर्ण, हॉलमार्क ज्वेलरी, रजत, राशि नग के विक्रेता
मो. 94255-32524,94241-43922
पावर हाउस रोड, कोरबा

विविधा

राष्ट्र जागरण का प्रथम मंत्र वंदे मातरमः केंद्रीय गृहमंत्री

देश-विदेश

अंतरराष्ट्रीय पुष्कर मेले का भव्य समापन सांस्कृतिक रंगों में डूबे नजर आए पर्यटक

कोरिया पेज

युक्तियुक्त करण से शिक्षकों की विशेषज्ञता का लाभ सही रूप में पहुँच रही विद्यार्थियों तक

वंदे मातरम का मतलब संकल्पों की सिद्धि

राष्ट्रीय गीत के 150 साल पूरे होने पर बोले पीएम मोदी

नईदिल्ली 07 नवंबर [एजेंसी]।

राष्ट्रगीत वंदे मातरम की रचना के आज 150 साल पूरे हो गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में आयोजित वंदे मातरम के पूर्ण संस्करण के सामूहिक गायन में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने एक स्मारक डाक टिकट और सिक्का भी जारी किया।

दरअसल, भारत के राष्ट्रगीत वंदे मातरम की रचना के 150 साल पूरे हो रहे हैं। इस उपलक्ष्य पर भारत सरकार ने साल भर राष्ट्व्यापी स्मरणोत्सव मनाने का फैसले किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर कहा कि आज का दिन बहुत ऐतिहासिक है। पीएम मोदी ने कहा कि वंदे मातरम, ये शब्द एक मंत्र है, एक ऊर्जा है, एक स्वप्न है, एक संकल्प है। वंदे मातरम, ये शब्द मां भारती की साधना है, मां भारती की आराधना है। वंदे मातरम, ये शब्द हमें इतिहास में ले जाता है, ये हमारे वर्तमान को नए आत्मविश्वास से भर देता है, और हमारे भविष्य को ये नया हौसला देता है कि ऐसा कोई संकल्प नहीं जिसकी सिद्धि न हो सके, ऐसा कोई लक्ष्य नहीं जिसे हम भारतवासी पा न सकें। पीएम मोदी ने कहा कि 7 नवंबर 2025, का दिन बहुत ऐतिहासिक है। आज हम 'वंदे मातरम' के 150वें वर्ष का महाउत्सव मना रहे हैं। यह पुण्य अवसर हमें नई प्रेरणा देगा, कोटि कोटि देशवासियों को नई ऊर्जा से भर देगा। इस दिन को इतिहास की तारीख में अंकित करने के लिए आज 'वंदे मातरम' पर एक विशेष सिक्का और डाक टिकट भी जारी किए गए हैं। पीएम मोदी ने कहा मैं देश के लाखों महापुरुषों को, मां भारती की संतानों को, 'वंदे मातरम' के लिए जीवन खपाने के लिए आज श्रद्धापूर्वक नमन करता हूं और देशवासियों को हार्दिक बधाई देता हूं।

प्रधामंत्री मोदी ने कहा कि गुरुदेव रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने एक बार कहा था कि बंकिमचंद्र की आनंदमठ' सिर्फ एक उपन्यास नहीं है, यह स्वाधीन भारत का एक स्वप्न है। 'आनंदमठ' में 'वंदे मातरम' का प्रसंग, उसकी हर पंक्ति, बंकिम बाबू के हर शब्द और हर भाव, सभी के अपने गहरे निहितार्थ थे, और आज भी हैं।इस गीत की रचना गुलामी के कालखंड में हुई, लेकिन इसके शब्द कभी भी गुलामी के साए में कैद नहीं रहे। वे गुलामी की स्मृतियों से सदा आजाद रहे। इसी कारण 'वंदे मातरम' हर दौर में, हर काल में प्रासंगिक है। इसने अमरता को प्राप्त किया है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की एक विज्ञप्ति के अनुसार, वर्ष 2025 में वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होंगे।

बंकिमचंद्र चटर्जी द्वारा रचित राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम अक्षय नवमी के पावन अवसर पर, जो 7 नवंबर 1875 को लिखा गया था। वंदे मातरम पहली बार साहित्यिक पत्रिका बंगदर्शन में उनके उपन्यास आनंदमठ के एक भाग के रूप में प्रकाशित हुआ था। मातृभूमि को शक्ति, समृद्धि और दिव्यता का प्रतीक बताते हुए इस गीत ने भारत की एकता और स्वाभिमान की जागृत भावना को काव्यात्मक अभिव्यक्ति प्रदान की। जो जल्द ही राष्ट्र के प्रति समर्पण का एक स्थायी प्रतीक बन गया।

एआईएडीएमके में गहराई अंदरूनी कलह

निष्कासित नेता के ए सैंगोत्तैयन के 14 समर्थकों को पार्टी से निकाला

चेन्नई। तमिलनाडु में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं, लेकिन मुख्य विपक्षी पार्टी एआईएडीएमके में अंदरूनी कलह बढ़ती ही जा रही है। शुक्रवार को एआईएडीएमके नेतृत्व ने पार्टी से निष्कासित नेता के ए सैंगोत्तैयन के 14 समर्थकों को भी पार्टी से बाहर कर दिया। पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से बर्खास्त किए गए नेताओं में एक पूर्व सांसद भी शामिल हैं। बयान में कहा गया है कि पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के चलते के ए सैंगोत्तैयन के समर्थकों के खिलाफ यह कार्रवाई की गई है।

आवारा पशुओं को सड़कों, हाईवे से हटाएं, सुप्रीम कोर्ट का राज्यों-और नगरपालिकाओं को निर्देश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों के मामले में सुनवाई करते हुए सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को अहम निर्देश जारी किया है। कोर्ट ने कहा है कि सभी आवारा पशुओं को सड़कों, राज्य के हाईवे और राष्ट्रीय राजमार्गों से हटाया जाए। सर्वोच्च न्यायालय ने इसे लेकर राज्यों के साथ-साथ राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और नगरपालिकाओं को भी निर्देश जारी किया है। इतना ही नहीं कोर्ट ने निर्देश दिया है कि आवारा पशुओं को हटाने के लिए हाईवे निगरानी टीमें बनाई जाएं जो उन्हें पकड़ कर सड़कों से हटाएगी और शेल्टर होम्स में रखेगी। विज्ञापनशीर्ष अदालत ने अपने आदेश में आगे आवारा कुत्तों के मुद्दे पर भी आदेश जारी किया। कोर्ट ने कहा कि सभी शिक्षण संस्थानों, अस्पतालों, बस और रेलवे स्टेशनों से आवारा कुत्तों को हटाया जाए और उन्हें शेल्टर होम में जगह दी जाए। साथ ही उन्हें टीकाकरण के बाद भी उसी इलाके में न छोड़े जाने के निर्देश दिए गए हैं।

वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ पर बोले सीएम योगी, ये गीत राष्ट्र प्रथम की भावना को जगाता है

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ के मौके पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया और कहा कि इस गीत ने आजादी की लड़ाई के दौरान देश को एकता के सूत्र में बांधने का काम किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमारा राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम हमारे दिलों में राष्ट्र प्रथम की भावना को दर्शाता है। भारत की आजादी के दौरान इस गीत ने सभी देशवासियों को एकता के सूत्र में बांधने का काम किया है। हम आभारी हैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जिनके नेतृत्व में वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि यह गीत हमारे देश की शक्ति और भक्ति का प्रतीक है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को लखनऊ के लोकभवन में वंदे मातरम गीत की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे।

दिल्ली हवाई अड्डे के एयर ट्रैफिक कंट्रोल में तकनीकी समस्या, 100 से अधिक उड़ानों में देरी

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर की हवा एक बार फिर जहरीली हो गई है। दो दिनों के मामूली सुधार के बाद शुक्रवार को वायु गुणवत्ता फिर से बहुत खराब श्रेणी में पहुंच गई। आनंद विहार, बवाना, जहांगीरपुरी और मुंडका जैसे क्षेत्रों में 350 के पार दर्ज किया गया है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, पराली जलाने और मौसम में बदलाव के कारण हवा में विषाक्त कणों की मात्रा बढ़ गई है, जिससे लोगों को सांस लेने में परेशानी हो रही है। शुक्रवार सुबह 7 बजे आनंद विहार का 329 दर्ज किया गया, जबकि बवाना में यह बढ़कर 366 पहुंच गया। जहांगीरपुरी और मुंडका में भी एक्यूआई 336 दर्ज किया गया। सोनिया विहार में 326 और पंजाबी बाग में 344 तक पहुंचने से स्थिति और गंभीर हो गई है।राजधानी से सटे एनसीआर के इलाकों में भी हालात खराब हैं। गुरुग्राम में सुबह 290, गाजियाबाद के लोनी में 311 और नोएडा के सेक्टर-62 में 275 दर्ज किया गया। पर्यावरण विशेषज्ञों का कहना है कि पराली जलाने और कम हवा चलने की वजह से प्रदूषक तत्व वायुमंडल में फंस गए हैं। वायु गुणवत्ता विशेषज्ञों के अनुसार, अगले कुछ दिनों में भी प्रदूषण से राहत की संभावना कम है। लोगों को सुबह-शाम बाहर निकलने से बचने और मास्क पहनने की सलाह दी गई है।

जहां कांग्रेस जीती वहां भी डुप्लीकेट वोट, हरियाणा चुनाव में राहुल गांधी के आरोपों पर बीजेपी ने दिया जवाब- डुप्लीकेट वोटों का मुद्दा उठाया गया

चंडीगढ़ 07 नवंबर [एजेंसी]।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा हरियाणा विधानसभा चुनाव पर जारी एच फाइल्स (हाइड्रोजन बम) का भाजपा ने एच फाइल्स हिपोक्रेसी (पाखंड) के रूप में तथ्यों के साथ जवाब दिया है।

भाजपा ने उन सीटों का ब्योरा जारी किया, जहां कांग्रेस जीती और बोगस वोटों का दावा किया।राहुल गांधी ने मंगलवार को 25 लाख वोट चोरी के आरोप लगाए थे। बुधवार को भाजपा ने 24 पेज का जवाब देते हुए कहा कि राहुल गांधी अपनी नाकामियों को छिपाने और देश में अराजकता फैलाने के लिए दोगले दावे करते हैं। पार्टी ने कहा कि हार के बहाने बनाना, लोकतांत्रिक संस्थाओं पर सवाल उठाना और युवाओं में अविश्वास फैलाना राहुल गांधी की आदत है।राहुल गांधी ने कहा था कि कांग्रेस 22 हजार मतों से आठ सीटें हारी। भाजपा ने पलटवार करते हुए कहा वह लोहारू, आदमपुर, रोहतक, सढ़ोरा, पंचकूला, फतेहाबाद और थानेसर जैसी सात सीटें मात्र 12,592 वोटों से हारी थी। इसे नजरअंदाज करना उनके दोगलेपन का उदाहरण है। भाजपा ने कहा 2024 लोकसभा चुनाव में उसे पूर्ण बहुमत के लिए 32 सीटों की जरूरत थी, जो केवल 33 हजार मतों से नहीं मिल सकीं।हिमाचल में भी वह 10 सीटें 12,036 मतों से हारी, लेकिन कभी बहाने नहीं बनाए। वोट चोरी के आरोप पर भाजपा ने कहा कि चुनाव आयोग ने 2 अगस्त को सभी दलों को ड्राफ्ट वोटर लिस्ट दी थी। 16 सितंबर को संशोधित सूची दोबारा साझा की? भाजपा की ओर से राहुल गांधी के उस आरोप का जवाब भी दिया गया, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया कि एग्जिट पोल के नतीजों में कांग्रेस चुनाव जीत रही थी, मगर फिर भी भाजपा ने सरकार बना ली। पार्टी की ओर से कहा गया कि साल 2024 में झारखंड और साल 2022 में हिमाचल प्रदेश में भाजपा के पक्ष में एग्जिट पोल आए थे, लेकिन वहां कांग्रेस की सरकारें बनीं, मगर तब न तो चुनाव आयोग से कोई शिकायत की गई और न ही भाजपा ने इस पर कोई सवाल उठाये। भाजपा ने कहा कि हरियाणा में पोस्टल बैलेट मत कुल जनसंख्या का मात्र 0.57 प्रतिशत थे। इसके बावजूद राहुल गांधी कह रहे हैं कि इन मतों में कांग्रेस आगे थी। ऐसे में राहुल गांधी किस आधार पर दावा कर रहे हैं कि 0.57 प्रतिशत वोट 99.43 प्रतिशत पर भारी हो सकते हैं। साल 2015 के बिहार चुनाव में पोस्टल बैलेट की गिनती के समय भाजपा और एनडीए आगे चल रहे थे, लेकिन महागठबंधन ने बड़े अंतर से चुनाव जीता। भाजपा ने विधानसभावार ऐसे डुप्लीकेट मतों के बारे में जानकारी दी, जिनकी वजह से कांग्रेस चुनाव जीती है। मुलाना विधानसभा में मुलाना व ढकोला बूथों पर 223 वोट एक ही फोटो से बने हैं, जोकि पोल हुए।यहां कांग्रेस की जीत हुई है। थानेसर के बूथ संख्या 81 व बूथ नंबर सात, लोहारू में बूथ संख्या 166 व 161 और पंचकूला में बूथ संख्या 136 व 40 पर एक-एक नाम के कई वोट बने हुए हैं, जहां भाजपा चुनाव हारी है।

पीओके में शहबाज सरकार के खिलाफ सड़कों पर जेन जेड का हल्ला बोल, युवाओं के प्रदर्शन से मुनीर भी घबराए

नईदिल्ली 07 नवंबर [एजेंसी]।

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में एक महीने के भीतर दूसरी पर विरोध प्रदर्शन देखने को मिला है। सैकड़ों की संख्या में गुरुवार को युवा सड़कों पर नजर आए। जानकारी के अनुसार, इस बार पीओके में हो रहे इस आंदोलन का नेतृत्व जेन जेड कर रहे हैं। दरअसल, पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार के खिलाफ पीओके में इस विरोध की शुरुआत मुजफ्फराबाद के विश्वविद्यालय से हुई, यहां पर छात्रों ने बढ़ती फीस और बेहतर सुविधाओं की मांग को लेकर प्रदर्शन किया।बताया जा रहा है कि शुरू में यह प्रदर्शन शांतिपूर्ण था, लेकिन किसी अज्ञात की ओर से हुई फायरिंग के बाद प्रदर्शन ने उग्र रूप ले लिया। इसमें एक छात्र के घायल होने की खबर है। घटना के बाद गुस्साए छात्रों ने टायर जलाए, कई जगहों पर आगजनी की और संपत्ति को नुकसान पहुंचाया। इस विरोध प्रदर्शन के कई वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। सामने आए कुछ वीडियो में देखा गया है कि छात्र उग्र हैं, और शहबाज शरीफ सरकार के खिलाफ वह नाराजगी जाहिर कर रहे हैं। वहीं, इंटरनेट पर वायरल कुछ पोस्ट में दावा किया जा रहा है कि बांग्लादेश और नेपाल के बाद अब पीओके में त्द्दठ्ठ के आंदोलन ने पाकिस्तान की सरकार और सेना के लिए हालात मुश्किल कर दिए हैं। गौरतलब है कि 30 अक्तूबर को इंटरमीडिएट प्रथम ईयर के रिजल्ट जारी किए गए। इस दौरान कुछ छात्रों को कम अंक मिले, जिसके बाद उनका गुस्सा विश्वविद्यालय प्रशासन पर फूट पड़ा। आरोप है कि कई छात्रों को उन विषयों में भी पास कर दिया गया है, जिसकी उन्होंने परीक्षा ही नहीं दी है। इसके बाद छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया। उल्लेखनीय है कि गुलाम कश्मीर में पिछले महीने भी एक उग्र प्रदर्शन देखने को मिला था। इस प्रदर्शन में 12 नागरिकों की मौत हुई थी। छात्रों और स्थानीय लोगों ने सरकार से कुल 30 मांगे पूरी करने की मांग की थी। इन मांगो में आटा, बिजली की कीमतों में कमी, टैक्स में राहत इत्यादि शामिल था।

मजदूर हत्याकांडः मृतक का कातिल फरार

सरगुजा। जिले के मैनपाट कमलेश्वरपुर थाना क्षेत्र के ग्राम कुदारीडीह में बिल्डर्स कॉलोनी में सेंट्रिंग का काम करने आएं पश्चिम बंगाल के युवक की पत्थर से हमला कर निर्मम हत्या किए जाने के मामले में 72 घंटे यानी तीन दिन बीतने के बाद अब भी मैनपाट, सरगुजा पुलिस के हाथ खाली हैं।

वंदे मातरम से नेहरू ने जानबूझकर मां दुर्गा के श्लोक हटाए:बीजेपी

नईदिल्ली 07 नवंबर [एजेंसी]।

कांग्रेस और भाजपा की राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता किसी से छिपी नहीं है। अब ताजा घटनाक्रम में भाजपा नेता सीआर केसवन ने देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित नेहरू का जिक्र कर वंदे मातरम को संक्षिप्त किए जाने का आरोप लगाया है। उन्होंने 1937 में महाराष्ट्र के फैजपुर में आयोजित कांग्रेस अधिवेशन का जिक्र कर ये दावा किया है। वंदे मातरम से नेहरू ने जानबूझकर मां दुर्गा के श्लोक हटाए। ये दावा किया है भाजपा नेता सीआर केसवन ने। उन्होंने आज से 89 साल पहले महाराष्ट्र के फैजपुर में आयोजित इंडियन नेशनल कांग्रेस के फैजपुर अधिवेशन का जिक्र कर कहा कि जानबूझकर कांग्रेस पार्टी ने देश के राष्ट्रीय गीत- वंदे मातरम में बदलाव किए। बकौल केसवन, 1937 में जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में वंदे मातरम से देवी दुर्गा की स्तुति वाले छंद हटा दिए गए। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी ने ये फैसला कुछ सांप्रदायिक समूहों को खुश करने के लिए लिया। एक्स पर उन्होंने इस संबंध में पोस्ट किया है। इससे वंदे मातरम के मूल स्वरूप और मकसद को लेकर नई बहस छिड़ने की आशंका है।

खेसारी लाल के बंगले पर चल सकता है बुलडोजर

नई दिल्ली। भोजपुरी फिल्मों के अभिनेता और बिहार चुनाव में राजद के उम्मीदवार खेसारी लाल यादव के बंगले पर बुलडोजर चल सकता है। मीरा भायंदर नगर निगम ने उन्हें इस संबंध में नोटिस भी भेजा है। मीरा रोड में स्थित खेसारी लाल यादव के बंगले में अवैध काम करने को लेकर यह नोटिस भेजा गया है, जिसमें कहा गया है कि उनके बंगले के अवैध निर्माण को तोड़ दिया जाएगा। नगरपालिका के नोटिस में कहा गया है कि खेसारीलाल के घर के बाहर लगाए गए लोहे के एंगल और शेड को तुरंत हटाया जाए, अन्यथा अतिक्रमण विभाग की ओर से बलपूर्वक कार्रवाई की जाएगी।

पहले चरण की वोटिंग पर प्रशांत किशोर का बयान, कहा- जनता नए विकल्प के पक्ष में

पटना 07 नवंबर [एजेंसी]।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले चरण (6 नवंबर) की बंपर वोटिंग पर जन सुराज के प्रमुख प्रशांत किशोर ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने दावा किया है कि इस बार जनता ने बदलाव के पक्ष में मतदान किया है और 14 नवंबर को इतिहास लिखा जाएगा। क्क्य ने कहा कि जनता अब पारंपरिक राजनीति से ऊब चुकी है और नए विकल्प को लेकर उत्साह में है। प्रशांत किशोर ने बताया कि इस चुनाव में प्रवासी मजदूरों ने अभूतपूर्व रूप से मतदान किया है, जो इस बार के चुनाव का फैक्टर साबित होंगे। उन्होंने कहा कि लंबे समय बाद इतनी बड़ी संख्या में प्रवासी मतदाता अपने गांव लौटे हैं और उन्होंने जन सुराज के पक्ष में मतदान कर बदलाव की नींव रखी है।

प्रशांत किशोर ने यह भी दावा किया कि बिहार में पहली बार युवाओं का वोटिंग प्रतिशत सबसे अधिक रहा है। उन्होंने कहा, इतनी बड़ी संख्या में मतदान तब होता है जब जनता बदलाव के लिए तैयार होती है, न कि सरकार को बनाए रखने के लिए। उनके अनुसार, यह चुनाव बिहार की राजनीति की दिशा बदलने वाला साबित होगा। जन सुराज प्रमुख ने कहा कि जनता ने इस बार जात-पात से ऊपर उठकर बिहार के भविष्य के लिए वोट दिया है। उन्होंने विश्वास जताया कि जन सुराज न केवल अच्छा प्रदर्शन करेगा बल्कि प्रदेश में एक नई राजनीतिक संस्कृति की शुरुआत करेगा। प्रशांत किशोर के इस बयान ने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। अब 14 नवंबर को होने वाली मतगणना पर सबकी निगाहें टिकी हैं कि क्या वाकई क्क्य का यह दावा इतिहास बनाता है या नहीं।

दूध वाले की मौत, बेकाबू कार ने मारी ठोकर

रायपुर। राजधानी रायपुर के टेकारी रोड पर आज सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई. बताया जा रहा है कि एक तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी, इस घटना में बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई. मौके पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और कार चालक को गिरफ्तार कर लिया है. जानकारी के मुताबिक, मृतक की पहचान कुश साहू, टेकारी निवासी के रूप में हुई. कुश दूध बेचने का काम करता था. आज सुबह वह किसी काम से बाइक पर सवार होकर निकला था।

स्किन केयर व कास्मेटोलाजी क्लिनिक

चर्म , गुप्त, कुष्ठ रोग विशेषज्ञ एवं सैक्स सलाहकार

डॉ.आर.के.अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.FDS (Lond.)F.i.a.m.s.(Ind.)
Mob.9424170010

-: परामर्श का समय :-
सुबह 10.30 से 1.30
(शाम को बंद)

डॉ.शशि अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.(U.K)
Mob.9826389894

सुविधायें:- गंजापन, मस्से हटाना, दाद खाज खुजली, एक्जीमा, एलर्जी, सड़े नाखून, कुष्ठ रोग, काले दाग, मुंहासे, बाल झड़ना, सेक्स की कमी, शीघ्र पतन, धात, मानसिक रोगों का मशीनों व अत्याधुनिक दवाओं द्वारा शीघ्र ईलाज, फोटोथेरेपी, इलेक्ट्रीशिकेशन, क्रायोसर्जरी, सायकोथेरेपी का ईलाज।

मो. 9203907928,9826389894 (क्लीनिक)

विशेष : बुधवार को 20 मरीजों का फीस माफ...

पता : एचआईजी -4 नेहरू नगर , रिकाण्डो रोड घोड़ा चौक , बुधवारी बाजार के पास, कोरबा

ब्राजीलियाई महिला बोलीं-मैं राहुल गांधी को नहीं जानती, कभी भारत नहीं गई, यह एआई का पागलपन

हरियाणा 07 नवंबर [एजेंसी]।

बिहार विधानसभा चुनाव के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक बड़ा आरोप लगाकर राजनीतिक माहौल गर्म कर दिया. उन्होंने कहा कि हरियाणा के राई विधानसभा क्षेत्र में मतदाता सूची में एक ही महिला की फोटो 22 बार अलग-अलग नामों से दर्ज है. राहुल गांधी के मुताबिक वह महिला हरियाणा में 10 बूथों पर 22 बार वोट दे चुकी है. उसके नाम हैं सीमा, स्वीटी, रश्मि, विमला, सरस्वती. हैरानी की बात ये कि फोटो में दिखने वाली महिला ब्राजील की है. उन्होंने इसे केंद्र की गड़बड़ी बताया और चुनाव आयोग पर बीजेपी की मदद करने का आरोप लगाया.

इस आरोप के बाद जो तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हुई, उसमें दिखाई देने वाली महिला का नाम लारिसा नेरी है. वह ब्राजील के बेलो होरिज़ोंटे शहर की रहने वाली हैं, जो पेशे से एक हेयरड्रेसर हैं. लारिसा ने एक निजी टीवी चैनल से बातचीत में बताया कि जब मैंने अपनी फोटो भारतीय चुनावों से जुड़ी खबरों में देखी तो मुझे समझ नहीं आया कि यह क्या मजाक है. बाद में जब पता चला तो मैं बहुत घबरा गई. उन्होंने कहा कि यह तस्वीर लगभग 8 साल पुरानी है और उनके एक दोस्त मैथियस फेरेरो ने अपने कैमरे से ली थी. यह किसी मॉडलिंग शूट का हिस्सा नहीं थी, बल्कि उनके घर में ली गई एक फोटो थी. लारिसा नेरी की यह तस्वीर और वेबसाइटों पर एक फ्री स्टॉक इमेज के रूप में मौजूद है. लाखों लोग इसे अलग-अलग कामों में इस्तेमाल कर चुके हैं. इन वेबसाइटों पर लारिसा का नाम नहीं लिखा गया है, बल्कि केवल फोटोग्राफर का नाम दिया गया है. लारिसा ने कहा कि कि कई कंपनियां इस फोटो को अपने प्रचार में इस्तेमाल करती हैं, लेकिन किसी राजनीतिक विवाद में मेरा चेहरा पहली बार दिखा. लारिसा ने बताया कि उनका भारत या भारतीय राजनीति से कोई रिश्ता नहीं है. उन्होंने कहा कि मैंने कभी भारत की यात्रा नहीं की और न ही राहुल गांधी को जानती हूं. मैं राजनीति में दिलचस्पी नहीं रखती. उन्होंने यह भी बताया कि इस घटना के बाद उन्हें सोशल मीडिया पर सैकड़ों मैसेज मिले हैं. कुछ लोग मजाक कर रहे हैं, जबकि कुछ लोग सच्चाई जानना चाहते हैं.लारिसा ने कहा कि अगर उनकी तस्वीर किसी अच्छे मकसद से इस्तेमाल होती तो उन्हें खुशी होती, लेकिन राजनीतिक विवाद में इसे जोड़ना गलत और अपमानजनक लगा. उनके अनुसार यह एक तरह का हमला लगा. किसी की फोटो बिना अनुमति के इस्तेमाल करना गलत है. वह अब अपने वकील से इस मामले में सलाह ले रही हैं और भारत में स्थिति पर नजर रखे हुए हैं. चुनाव आयोग के अधिकारियों ने कहा कि अगर किसी मतदाता की पहचान संदिग्ध थी तो कांग्रेस के एजेंट को उसी वक्त शिकायत करनी चाहिए थी. उन्होंने यह भी पूछा कि क्या कांग्रेस डुप्लिकेट वोटर आईडी हटाने के अभियान का समर्थन करती है. केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा, बिहार में चुनाव चल रहे हैं और राहुल गांधी हरियाणा की कहानियां सुना रहे हैं. वह असली मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए झूठ फैला रहे हैं.

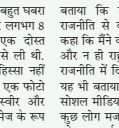

माँ भारती को समर्पित
देशभक्ति और आध्यात्मिकता के
भाव से भरा गीत
छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25
वन्दे मातरम्
राष्ट्रीय गीत के
150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर
सामूहिक 'राष्ट्रीय गीत' गायन
कार्यक्रम का शुभारंभ
यशस्वी प्रधानमंत्री
श्री नरेन्द्र मोदी जी
के द्वारा
7 नवंबर 2025, शुक्रवार
सुबह 10 से 11 बजे तक
ग्राम पंचायत से प्रदेश स्तर तक सभी शासकीय कार्यालय, शैक्षिक और अन्य संस्थानों में 4 चरणों में साल भर आयोजित होंगे विभिन्न कार्यक्रम
पहला चरण
7-14 नवंबर 2025
दूसरा चरण
19-26 जनवरी 2026
तीसरा चरण
7-15 अगस्त 2026
चौथा चरण
1-7 नवंबर 2026
वन्दे मातरम्।
सुजलाम् सुफलाम् मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलाम् मातरम्। वन्दे मातरम्।। 1।।
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकितयामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीम् सुमधुरभाषिणीम्,
सुखदाम् वरदाम् मातरम्। वन्दे मातरम्।। 2।।
कोटि-कोटि कण्ठ कल-कल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
के बॉले माँ तुमि अबले,
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीम्,
रिपुदलबारिणीं मातरम्। बन्दे मातरम्।। 3।।
तुमि विद्या तुमि धर्म, तुमि हृदि तुमि मर्म,
त्वम् हि प्राणाः शरीरे, बाहुते तुमि माँ शक्ति,
हृदये तुमि माँ भक्ति, तोमारेई प्रतिमा गड़ि मन्दिरे-मन्दिरे।
बन्दे मातरम् ।। 4।।
त्वम् हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी, नमामि त्वाम्,
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्। बन्दे मातरम्।। 5।।
श्यामलाम् सरलाम् सुस्मिताम् भूषिताम्,
धरणीम् भरणीम् मातरम्। वन्दे मातरम्।। 6।।
हमसे जुड़ने के लिए QR स्कैन करें
आइए, हम सभी इस ऐतिहासिक क्षण को
गर्व और उल्लास के साथ मनाने का संकल्प लें।
वन्दे मातरम्!!
DD NEWS
कार्यक्रम का सीधा प्रसारण
डीडी न्यूज़ पर देखें
S-45814/84
छत्तीसगढ़ जनसंपर्क
Visit us : /ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

हर घर में पानी कैसे पहुंचे, इसकी निगरानी करने का दायित्व जिपं सदस्यों का

जांजगीर। जिला पंचायत जांजगीर-चांपा की सामान्य सभा की बैठक जिला पंचायत सभा कक्ष में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष सत्यलता आनंद मिरी ने की। बैठक में पूर्व में पारित प्रस्तावों के अनुपालन प्रतिवेदन पर चर्चा की गई। साथ ही आदिम जाति विभाग के छात्रावासों की स्थिति, आंगनबाड़ी केन्द्रों की कार्यप्रणाली, फ्लाई ऐश एवं स्लैगचुरी के उपयोग से संबंधित पर्यावरण अनुमति प्रक्रिया की समीक्षा की गई। अध्यक्ष इंजी. मिरी ने सभी विभागों को निर्देश दिए कि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि जो अधिकारी सामान्य सभा की बैठक से अनुपस्थित रहे हैं, उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया जाए।

जल जीवन मिशन की समीक्षा के दौरान सदस्यों ने बताया कि जिले के कई गांवों में अब भी घरों तक जलापूर्ति नियमित नहीं हो रही है। इस पर सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि प्रत्येक घर तक नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित की जाए। जिला पंचायत सदस्यों द्वारा गांवों में जलापूर्ति व्यवस्था की जांच की जाएगी। अध्यक्ष ने कहा कि यदि पाइपलाइन या सप्लाई में कोई गड़बड़ी पाई जाती है, तो संबंधित विभाग से स्पष्टीकरण लेकर सुधारात्मक कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में उद्योगों से संबंधित जलकर बकाया राशि की जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। फ्लाई ऐश व स्लैगचुरी के उपयोग से जुड़ी पर्यावरण अनुमति एवं अनापत्ति प्रमाण पत्रों की प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने पर जोर दिया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि इन अनुमतियों से जुड़ी संपूर्ण प्रक्रिया, मानदंड और दस्तावेजों की सूची सार्वजनिक की जाए ताकि जनता को जानकारी मिल सके और पर्यावरण नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित हो। आदिम जाति विभाग के छात्रावासों में दाखिला संख्या और राशि आबंटन की स्थिति की भी विस्तृत समीक्षा की गई।

आंगनबाड़ी तय समय पर खोलने पर दिया जोर- आंगनबाड़ी केन्द्रों में पंजीकृत बच्चों की संख्या और उपस्थिति की जानकारी लेते हुए अध्यक्ष ने कहा कि कार्यकर्ता और सहायिकाएं केंद्र में उपस्थित रहें।

सदस्यों ने बताया कि छात्रों की वास्तविक संख्या के अनुसार ही राशि का आबंटन होना चाहिए। निर्णय लिया गया कि जिला पंचायत सदस्य स्वयं छात्रावासों का निरीक्षण करेंगे। यदि किसी भी प्रकार की अनियमितता पाई जाती है, तो संबंधित अधिकारी से राशि की वसूली की जाएगी। अध्यक्ष ने कहा कि छात्रावासों का संचालन पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ होना चाहिए ताकि छात्र-छात्राओं को निर्धारित सुविधाएं समय पर मिल सकें।

इस अवसर पर बैठक में जिला पंचायत उपाध्यक्ष गगन जयपुरिया, सांसद प्रतिनिधि, विधायक प्रतिनिधि, जिला पंचायत सदस्य लोकेश राठौर, प्रियंका सिंह क्षत्री, आशा साव, राजकुमार साहू, प्रमिला साहू, बबीता रात्रे, महादेव नेताम, प्रीति दिब्य, नेहा साहू, संतोषी सिंह रात्रे, उमा राठौर, शशिकला सिंह सहित जनपद पंचायत अध्यक्ष, जिला पंचायत सीईओ गोकुल रावटे, उप संचालक अभिमन्यु साहू तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

घर से नकदी व सोने-चांदी की चोरी, थाने में शिकायत

जांजगीर। ग्राम कांसा में चोरी की घटना सामने आई है। किसान धनाराम यादव के घर चोरी हुई है। वे पूरे परिवार के साथ नवधा रामायण कार्यक्रम फाइनल देखने गए थे। घर में ताला लगाकर जाने के बाद सुबह उनका बेटा संदीप यादव घर आया और देखा कि दरवाजे का ताला टूटा हुआ है।

घर के अंदर जाकर देखा गया तो पेटी का ताला भी टूटा हुआ था और कपड़े-समान बिखरे हुए थे। पेटी में रखी महिला समूह की नगद राशि 32,000 रुपए और चांदी के जेवर लगभग 400 ग्राम, जिनकी पुरानी कीमत 18,000 रुपए थी, चोरी हो गई। घटना के बाद उन्होंने आसपास के गांवों में जानकारी जुटाई, लेकिन चोरी करने वाले का पता नहीं चला। इसके बाद उन्होंने थाना नवागढ़ में लिखित शिकायत दर्ज कराई।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी की प्रचार टीम में संतोष शामिल

राहौद। आगामी नुवापाड़ा विधानसभा उपचुनाव 2025 को लेकर छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने प्रचार-प्रसार टीम की घोषणा की है।

इसमें वरिष्ठ विधायक, पदाधिकारी और सक्रिय कार्यकर्ताओं को शामिल करते हुए विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

राहौद नगर पंचायत के प्रथम निर्वाचित अध्यक्ष संतोष गुप्ता को भी इस टीम में अहम जिम्मेदारी दी गई है। उनके चयन से स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है और इसे राहौद क्षेत्र के लिए गर्व की बात बताया जा रहा है। संतोष गुप्ता लंबे समय से कांग्रेस संगठन से जुड़े हैं और पार्टी के लिए लगातार सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं।

जगमहंत में रात्रिकालीन क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ ,मुख्य अतिथि सुल्तानिया बोले मैदान में जुनून ही असली जीत है

जांजगीर। नवागढ़ ब्लॉक के ग्राम जगमहंत में स्टार क्रिकेट क्लब के तत्वावधान में आयोजित रात्रिकालीन क्रिकेट प्रतियोगिता का बुधवार को शुभारंभ उल्लास और खेल भावना के साथ हुआ। आयोजन के प्रथम दिन ग्रामवासियों और युवाओं में खेल को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिला।

कार्यक्रम में भाजपा नेता अमर सुल्तानिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि जिला पंचायत सदस्य राजकुमार साहू ने अध्यक्षता की। मंच पर अतिथि के रूप में सरपंच प्रशांत सिंह (बंटी), संजीवन सिंह, उमेंद्रराम कश्यप, रामकुमार सिंह राणा, सुखपाल सिंह, राजकुमार साहू, महेंद्र सिंह, राजू कश्यप,सुनील पांडे, प्रांशु अग्रवाल, सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी और खेल प्रेमी उपस्थित रहे। उद्घाटन भाषण में मुख्य अतिथि अमर सुल्तानिया बोले मैदान में जुनून ही असली जीत है!

प्रतियोगिता में क्षेत्र की नामचीन टीमों के साथ कई उभरते हुए युवा खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं, जो अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर ग्रामीण खेल संस्कृति को नई पहचान दे रहे हैं। उद्घाटन मैच के दौरान दर्शकों की भारी भीड़ ने पूरे मैदान में उत्साह का वातावरण बना दिया।

इस दौरान मुख्य अतिथि अमर सुल्तानिया ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि खेल केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि जीवन के अनुशासन, संघर्ष और सकारात्मक सोच का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि खेलों से शारीरिक और मानसिक विकास के साथ ही समाज में भाईचारे और एकता की भावना प्रबल होती है। सुल्तानिया ने युवाओं से आह्वान किया कि वे खेल को जीत-हार से ऊपर उठकर आत्मविकास और सेवा के माध्यम के रूप में अपनाएँ।

उन्होंने यह भी कहा कि ग्रामीण अंचलों में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं, ज़रूरत केवल सही मंच और प्रोत्साहन की है। इस तरह के आयोजन न केवल युवाओं को दिशा देते हैं, बल्कि गाँव में सामाजिक समरसता का वातावरण भी बनाते हैं।

उद्घाटन मैच जगमहंत सीनियर और जगमहंत मिनी स्टार के बीच खेला गया जिसमे मिनी स्टार जगमहंत 40 रनों से जीत दर्ज की।

रात्रिकालीन क्रिकेट प्रतियोगिता ने गाँव के वातावरण में उत्सव का रंग भर दिया। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार - 31,000/- रु एवं कप (स्व. श्रीमती प्रभुता देवी की स्मृति में श्री कार्तिक सिंह जी द्वारा प्रायोजित), द्वितीय पुरस्कार - 15,000/- रु एवं कप (स्व. श्री संकरलाल सिंह जी की स्मृति में श्री राजू कश्यप जी द्वारा प्रायोजित), तृतीय पुरस्कार -7,500/- रु एवं कप (स्व. श्री बाबूलाल सिंह जी की स्मृति में श्री राजू कश्यप जी द्वारा प्रायोजित) वहीँ मैन ऑफ द सीरीज - 3,500/- रु एवं कप(स्व. श्री ओमप्रकाश सिंह जी की स्मृति में उनके सुपुत्र श्री अनूप सिंह जी द्वारा प्रायोजित) रखा गया है।

स्वामी विवेकानंद उद्यान के सौंदर्यीकरण की मांग रखी

चांपा। नगर की विभिन्न समस्याओं को लेकर नगर पालिका परिषद चांपा के कांग्रेस पार्षदों ने संयुक्त रूप से मुख्य नगरपालिका अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। पार्षदों ने बताया कि पूर्व में भी 31 अक्टूबर 25 को नगर की समस्याओं के समाधान के लिए आवेदन दिया गया था, परंतु अब तक उन पर कार्रवाई नहीं की गई है। ज्ञापन में पार्षदों ने कहा कि नगर की सड़क लाइटें बंद हैं, जिन्हें शीघ्र चालू कराया जाए। रामबाधा तालाब की संपूर्ण सफाई, हसदेव नदी में हनुमान धारा से नेहरू पुल तक सफाई कार्य, नया नलकूप शीघ्र प्रारंभ करने, नगर की समुचित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की गई।इसके साथ ही उन्होंने नगर में नवनिर्मित सार्वजनिक शौचालयों के रखरखाव, सड़कों की मरम्मत, एसटीपी से निकलने वाले गंदे पानी को नदी में जाने से रोकने, नगरपालिका में कर्मचारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा स्वामी विवेकानंद उद्यान की सौंदर्यीकरण की भी मांग की।

डोंगाघाट में स्नान कर दीपदान किया भंडारे में भक्तों को बांटा गया प्रसाद

चांपा। धार्मिक उत्साह और आस्था से ओतप्रोत वातावरण में कार्तिक पूर्णिमा का पावन पर्व नगर में बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया गया। प्रात: काल से ही नगरवासियों में विशेष उल्लास का माहौल दिखाई दिया।

साफ सफाई की कमी से हसौद के कुछ इलाकों में खतरा

हसौद। सक्ती जिले के ग्राम पंचायत हसौद बस स्टैंड के पास बना सामुदायिक शौचालय इन दिनों बदहाली का शिकार है।

शौचालय परिसर के चारों ओर गंदगी, कचरा और दुर्गंध का माहौल बना हुआ है, जिससे आसपास के निवासियों और यात्रियों को भारी परेशानी हो रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, शौचालय परिसर में पहले एक बोरवेल हुआ करता था, जो अब पूरी तरह बंद हो गया है।

पानी की व्यवस्था ठप हो जाने के कारण लंबे समय से शौचालय की सफाई नहीं हो सकी है। ग्राम पंचायत की अनदेखी के चलते यह सार्वजनिक सुविधा केंद्र अब खुद अस्वच्छता का केंद्र बन गया है। ग्रामवासियों ने बताया कि पंचायत द्वारा हर साल 15वें वित्त आयोग और मूलभूत सुविधा मद से सफाई कार्यों के लिए राशि खर्च किए जाने की बात कही जाती है, लेकिन जमीनी स्तर पर कोई सुधार नजर नहीं आता। न तो नियमित सफाई हो रही है और न ही आस-पास के क्षेत्र की देखरेख की जा रही है। गांव के लोगों ने सरपंच और सचिव पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी अनदेखी के कारण बस स्टैंड और शौचालय परिसर पूरी तरह गंदगी में तब्दील हो गया है। इससे न केवल गांव की छवि धूमिल हो रही है, बल्कि संक्रमण फैलने का खतरा भी बढ़ गया है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि हसौद बस स्टैंड और सामुदायिक शौचालय परिसर की तत्काल सफाई कराई जाए तथा संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए।

अब देखना यह होगा कि क्या प्रशासन इस मामले में संज्ञान लेकर सुधार की दिशा में कदम उठाता है या फिर यह शिकायत भी अन्य मामलों की तरह ठंडे बस्ते में चली जाएगी।

कार्यकर्ताओं से मिले विधान सभा नेता प्रतिपक्ष महंत

मुलमुला। विधानसभा नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत का मुलमुला में आगमन हुआ। जहां ग्रामीणों ने उनका त्रिमूर्ति चौक के पास सम्मान किया। इस दौरान डॉ. महंत ने ग्रामीणों से बातचीत कर उनकी समस्याओं और सुझावों को सुना। ग्रामीणों ने डॉ. महंत से स्थानीय मुद्दों पर चर्चा की। इस अवसर पर पामगढ़ विधायक शेषराज हरबंश, लाल सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष नवल सिंह, सरपंच अमितेन्द्र सिंह, राघवेन्द्र सिंह, ?निरज खुंटे, किशोर सिंह, सिंकू टंडन, भक्कू साहू, गोविंदा, पूरन, बबलू सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

विधायक राघवेन्द्र ने विकास कार्यों की रखी बुनियाद

अकलतरा। विधानसभा क्षेत्र के विधायक राघवेंद्र कुमार सिंह बुधवार को बलौदा क्षेत्र के विभिन्न गांवों के दौरे पर रहे और 95 लाख रुपए से अधिक की लागत वाले विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। उन्होंने औराईकल के नकटा नाला में 49,71,000 रुपए लागत वाले पुल निर्माण और परसहन मोहल्ले में 44,36,000 रुपए लागत वाली पक्की सड़क निर्माण परियोजना का भूमिपूजन किया।

इस अवसर पर विधायक ने कहा कि अकलतरा विधानसभा के सभी गांवों में विकास कार्य तेजी से कराए जा रहे हैं। उनका प्रयास है कि हर गांव की मूलभूत जरूरतों को पूरा कर ग्राम विकास में विशेष योगदान दिया जाए। कार्यक्रम में सदन यादव, कन्हैया राठौर, दिनेश मिरी, अजय शशिजगत, अलका रात्रे सरपंच, यादमाती पंचराम रात्रि जनपद सदस्य, धीरज बरेठ उपसरपंच, जितेन्द्र रात्रे, शांतिदास कोटवार, शत्रुहान साहू, देवनाथ पटेल, रामकुमार बरेठ, रामेश्वर साहू, संतोष पटेल, देवकुमार पटेल सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी मौजूद रहे। इस दौरान विधायक राघवेंद्र सिंह ने गांव में चल रहे अखंड नवधा रामायण में भी भाग लिया। उन्होंने पूजन-अर्चना की और जनमानस के बीच बैठकर कथा श्रवण किया। इससे ग्रामीणों में धार्मिक और सामाजिक भावनाओं को बल मिला। विधायक ने ग्रामीणों से कहा कि विकास कार्यों के साथ-साथ सामाजिक-सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेना भी उनके लिए महत्वपूर्ण है।

भगवान श्री शिवरीनारायण का किया मनमोहक श्रृंगार

शिवरीनारायण। भगवान श्री शिवरीनारायण मंदिर मे कार्तिक पूर्णिमा देव दीपावली का पर्व धूमधाम से मनाया गया। भगवान शिवरीनारायण मंदिर के पुजारी पंडित चित्रसेन तिवारी, अजीतसेन तिवारी व आशीष तिवारी ने बताया कार्तिक पूर्णिमा पर भगवान शिवरीनारायण मंदिर में देव दीपावली का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर भगवान श्री शिवरीनारायण जी को शुद्ध जल, गंगाजल व पंचामृत से स्नान कराया गया। भगवान को नवीन वस्त्र के साथ सोने चांदी से आभूषण धारण कराए गए। भगवान का रंग बिरंगे फूलों से मनमोहक श्रृंगार किया गया। भगवान की विशेष पूजा अर्चना की गईं।

कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर आस पास के गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु नगर पहुंचे। श्रद्धालुओं ने महानदी मे स्नान व दीपदान कर भगवान श्री शिवरीनारायण का दर्शन किया। देर शाम भगवान श्री शिवरीनारायण मंदिर परिसर में 2100 दीप प्रज्जवलित किए गए। जोरदार आतिशबाजी के साथ भगवान श्री शिवरीनारायण जी की महाआरती की गईं। महाआरती के बाद श्रद्धालुओं को विशेष प्रसाद बांटा गया। सुबह से देर रात तक श्रद्धालुओं ने भगवान श्री शिवरीनारायण का दर्शन पूजन किया। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर नगर के सभी मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ रही।

बाराद्वार पहुंचे भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष

बाराद्वार। भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा छत्तीसगढ़ के नव नियुक्त प्रदेश अध्यक्ष और कवर्धा के पूर्व विधायक अशोक साहू 6 नवंबर को जिले के प्रवास पर थे। प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद यह उनका जिले में पहला आगमन था। इस अवसर पर नगर के जनप्रतिनिधि, साहू समाज के पदाधिकारी और भाजपा कार्यकर्ताओं ने बाराद्वार बस स्टैंड पर उनका सम्मान किया।

प्रदेश अध्यक्ष अशोक साहू के साथ भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश महामंत्री एवं सक्ती के पूर्व विधायक डॉ. खिलावन साहू भी मौजूद थे। नगर पंचायत अध्यक्ष नारायण कुर्रे और उपाध्यक्ष जितेश शर्मा के नेतृत्व में क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत किया। इस दौरान अशोक साहू ने बस स्टैंड में स्थित अटल जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। अशोक साहू ने अपने संबोधन में कार्यकर्ताओं और उपस्थित

जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया और संगठन को और अधिक सशक्त बनाने तथा पिछड़े वर्ग के विकास और सशक्तिकरण के लिए निरंतर प्रयास करने का संदेश दिया। उनके आगमन ने भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह और संगठनात्मक ऊर्जा बढ़ा दी।

न्यायालय तहसीलदार बैकुण्ठपुर जिला कोरिया (छ.ग.)

// ईश्तहार//

क्र./वाचक/2024 बैकुण्ठपुर दिनांक / /2024

एतद् द्वारा सर्व साधारण एवं ग्रामवासी/नगरवासी ग्राम जूनापारा को आम जनता को ईश्तहार के जरिए सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका रितेश खलखो पिता/पति करन साय जाति उरांव निवासी जूनापारा तहसील बैकुण्ठपुर जिला-कोरिया के द्वारा एलि एल निवासी जूनापारा का जन्म/मृत्यु दिनांक 3.1.2003 को होने के कारण जन्म/मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

आवेदक/आवेदिका द्वारा प्रस्तुत उक्त जन्म/मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने पर जिस किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो स्वयं अथवा अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर इस न्यायालय में दिनांक 14.11.25 को 11.00 बजे तक आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित समयावधि के बाद प्राप्त आपत्तियों पर कोई सुनवाई नहीं होगी।

आज दिनांक 06.11.25 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा अंकित कर जारी किया गया।

सील

कार्यपालिक दंडाधिकारी
बैकुण्ठपुर
जिला-कोरिया (छ.ग.)

सक्ती में महुआ शराब के साथ चार आरोपी गिरफ्तार

सक्ती। सक्ती में आबकारी विभाग ने महुआ शराब की बिक्री के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई की है। कुल 4 प्रकरण दर्ज किए गए और 27 लीटर महुआ शराब जब्त की गई। आज दिनांक 5/11/25 को नंदेलीभांठा थाना क्षेत्र में एस कुमार उरांव पिता कार्तिक राम के द्वारा महुआ शराब बेचने की सूचना पर सहायक जिला आबकारी अधिकारी आशीष उप्पल ने छद्म खरीदार के माध्यम से जांच की।

जांच में एसकुमार उरांव के कब्जे से 5 लीटर और 10 लीटर की प्लास्टिक बोतलों तथा 5 लीटर क्षमता वाले पीले प्लास्टिक जरीकेन में 15 लीटर महुआ शराब बरामद की गई। इसके अलावा ग्राम किरारी थाना बाराद्वार निवासी तरुण यादव पिता टेकराम के पास से 8 लीटर, ग्राम नंदेलीभांठा में पंचराम टंडन पिता झड़वा राम से 3 लीटर और शांति टंडन पति राजेश से 1 लीटर महुआ शराब जब्त की गई।

CHHATTISGARH STATE POWER GENERATION CO. LTD.
(A Govt. of Chhattisgarh Undertaking) CIN: U40108CT2003SGC015821
NO.021-10/PUBLICATION/ 5140 Korba West, dtd. 04.11.2025
(e-Bidding) TENDER NOTICE No. 1376/2025.

Online tenders are invited from experienced & prospective Firms for the following Works/Supply:

S. No	Rfx No.	Particulars	Cost of tender doc.	E.M.D. (Rs.)	Last date of submission & opening
1.	Rfx No. 8100047305	Supply of Various Capacity Split Air Conditioner with Accessories as per given specification for HTPS, Korba West.	590/-	6,250/-	26.11.2025
2.	Rfx No. 8100047185	Repairing of Motor Bearing Housing/ End Cover of Various LT/HT Motors Installed at 4x210 MW& 1x500 MW , HTPS, Korba West.	590/-	10,565/-	27.11.2025
3.	Rfx No. 8100047149	Procurement of Complete Set of Seals for Rotary Air Preheater, Type-27 VIMT 2000 of 210 MW, BHEL Boiler of Unit No. 2, PH-I, HTPS, Korba West.	590/-	5,135/-	26.11.2025

NOTE:- 1. Payment of Tender cost & EMD shall be done online through e-bidding portal. The tender documents can be seen from our website https://ebidding.cspcl.co.in:50724/irj/portal.2. Quantity as per tender schedule.

SUPERINTENDING ENGINEER (C&I) O/o THE ADDL. CHIEF ENGINEER (O&P) HTPS, CSPGCL, KORBA WEST

SAVE ENERGY FOR THE BENEFIT OF SELF & NATION

S-45800/3

अनमोल वचन......

दूसरों से अपनी तुलना मत करो, वो सिर्फ उनकी जिंदगी की हाइलाइट्स हैं, असल जिंदगी कुछ और ही होती है।

भारत परिपक्व और व्यावहारिक नजरिया अपनाए

रुबियो ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच लंबे समय से तनाव है, इसलिए अमेरिका के पाकिस्तान से गहराते रिश्ते पर भारतीय चिंता को वे समझते हैं। मगर उन्होंने सलाह दी कि भारत 'परिपक्व' और 'व्यावहारिक नजरिया' अपनाए। जिस रोज डॉनल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेनाध्यक्ष फील्ड मार्शल असीम मुनीर की तारीफ करते हुए उन्हें 'महान व्यक्ति' बताया, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो भारत को दिलासा दी कि पाकिस्तान के साथ अमेरिका का रिश्ता भारत से संबंधों की कीमत पर नहीं होगा। रुबियो ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच लंबे समय से तनाव है, इसलिए अमेरिका के पाकिस्तान से गहराते रिश्ते को लेकर भारतीय चिंता को वे समझते हैं। मगर उन्होंने सलाह दी कि भारत 'परिपक्व' और 'व्यावहारिक' नजरिया अपनाए। कहा- 'देखिए, भारत के कई ऐसे देशों के साथ संबंध हैं, जिनसे हमारा रिश्ता नहीं है। अतः यह (अमेरिका-पाकिस्तान संबंध) परिपक्व एवं व्यावहारिक विदेश नीति का हिस्सा है।'रुबियो ने कहा कि पाकिस्तान से रणनीतिक संबंध के विस्तार को अमेरिका अपने लिए एक अवसर मानता है। यह अवसर क्या है, यह उन्होंने नहीं बताया। मगर संभवतः ट्रंप प्रशासन मानता है कि मध्य एशिया में अपनी पहुंच को गहराई देने तथा दक्षिण एवं मध्य एशिया में चीन की रणनीतिक बढ़ी पकड़ को नियंत्रित करने के लिहाज से पाकिस्तान का महत्त्व है, जिसका अधिकतम लाभ उसे उठाना चाहिए। बहरहाल, भारत की विदेश नीति को यह ऐसा झटका है, जिसकी भरपाई रुबियो की बातों से नहीं हो सकती। इस सदी में तमाम भारतीय सरकारों ने अमेरिका से रणनीतिक निकटता बनाने को तरजीह दी, तो इस नीति में पाकिस्तान को पश्चिम में अलग-थलग करना प्रमुख मकसद रहा है। इसके बदले भारत चीन को नियंत्रित करने की पश्चिमी देशों की प्राथमिकता में सहायक बनने (जिससे भारतीय सुरक्षा प्रतिष्ठान के हित भी सधते हैं) को तैयार हुआ। शुरुआत में यह नीति कारगर होती दिखी। मगर ट्रंप प्रशासन ने सारे समीकरण उलट-पुलट दिए हैं। उसकी चुभन भारत को महसूस हुई है। अमेरिकी रणनीति में पाकिस्तान को मिली अहमियत से भारतीय मनोविज्ञान आहत हुआ है। रुबियो ने जो कहा है, उसका अर्थ यह है कि पाकिस्तान को महत्त्व देना ट्रंप प्रशासन की सुविचारित नीति है, जिसमें फिलहाल कोई बदलाव नहीं होने वाला है। भारत को इस नई स्थिति को स्वीकार करना होगा। 'परिपक्वता' और 'व्यावहारिक नजरिए' से उनका मतलब यही है।

राशिफल

मेष राशिः आज आपके मन में नए-नए विचार आयेंगे। आज घर के वरिष्ठ सदस्यों के मार्गदर्शन से रिश्तों में चल रही गलतफहमियां दूर होंगी। यह समय अपने व्यवहार और पिछले समय में की गई गलतियों में सुधार लाने का है।

वृष राशिः आज आपका दिन ताजगी से भरा रहेगा। आज आपके ऊपर कुछ जिम्मेदारियां रहेगी। कर्म से ही भाग्य को भी बल मिलता है, लिहाजा आपका कर्म प्रधान होना आपको अधिक सकारात्मक बनाएगा। छात्रों को अपने पढ़ाई के अनुकूल परिणाम सामने आएंगे। मांगलिक कार्य संबंधी योजनाएं बनेंगी।

मिथुन राशिः आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आज कारोबार में छोटी-छोटी बारीकियां समझना जरूरी है। आज किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह लेना उचित रहेगा। प्रतिस्पर्धा का नकारात्मक असर आपकी कार्यप्रणाली पर भी पड़ेगा।

कर्क राशिः आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। आज कुछ उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी रहेगी इसलिए पूरी ऊर्जा के साथ अपने काम पर ध्यान देंगे। हालांकि आपकी मेहनत से परेशानी हल हो जाएंगी। घर के रख रखाव अथवा नवीनीकरण संबंधी काम चल रहा है, तो वास्तु नियमों का पालन करना फायदेमंद रहेगा।

सिंह राशिः आज आपके भाग्य के सितारे बुलंद होंगे। आज बिजनेस में मौजूदा काम ही पूरे करेंगे। भविष्य को लेकर बनाई योजनाएं सफल होंगी। मिलकर किये गए कामों में मुनाफा होने के योग है। मार्केटिंग संबंधी कार्यों को करने में अनुभवी लोगों का सहयोग मिलेगा।

कन्या राशिः घर पर रिश्तेदारों के आगमन से कुछ खास काम रुक सकते हैं आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आज बाहरी लोगों का हस्तक्षेप अपने व्यक्तिगत तथा पारिवारिक व्यवस्था पर ना पड़ने दे। पारिवारिक अथवा सामाजिक गतिविधियों में अपने निर्णय को ही सर्वोच्च रखें ।

तुला राशिः आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज आप अपने दिनचर्या में बदलाव करेंगे, जो आपके लिए लाभदायक साबित होगा। आज आप अपनी पारिवारिक व व्यावसायिक जिम्मेदारियों को बखुबी अंजाम देंगे।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज घर में रिश्तेदारों की आवाजाही रहेगी, जिससे घर में खुशनुमा माहौल बना रहेगा। आर्थिक स्थिति को बेहतर करने का प्रयास सफल रहेगा। प्रभावशाली लोगों के साथ जान-पहचान बढ़ेगी, जो कि आगे चलकर आपके लिए लाभदायक साबित हो सकती हैं।

धनु राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आपकी दिनचर्या व्यवस्थित बनी रहेगी। प्रॉपर्टी संबंधी मामला रुका हुआ है, तो उसको हल करने का उचित दिन है। किसी खास व्यक्ति द्वारा आपको उचित सलाह भी मिलेगी।

मकर राशिः आज आपका दिन उत्तम रहेगा। पिछले कुछ समय से चल रही समस्याओं से आज कुछ राहत मिलेगी। अपने व्यक्तित्व को निखारने के लिए जो प्रयास किए हैं, उसके अच्छे परिणाम सामने आएंगे। आज समाज में भी आपकी छवि निखरेगी।

कुंभ राशिः आज आप अपने कार्यों में बहुत हद तक सफल रहेंगे। आज किसी समारोह अथवा सम्मेलन में शामिल होने का निमंत्रण मिलेगा। आपको माता-पिता का आशीर्वाद मिलेगा। कुल मिलाकर आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है।

मीन राशिः आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज किसी विशेष प्रयास कोलेकर आपको अति आत्मविश्वासी होने से बचना चाहिए। किसी बाहरी व्यक्ति का हस्तक्षेप अपने घर परिवार पर ना होने दें।

भारत के श्रमिकों के सशक्तिकरण की दिशा में श्रम संहिताओं के कार्यान्वयन की आवश्यकता

- एस.पी. तिवारी -

भारत का कार्य जगत एक बदलाव के मुहाने पर खड़ा है। देश की श्रमशक्ति को लिखित अनुबंधों, पर्याप्त मजदूरी और व्यापक सामाजिक सुरक्षा द्वारा समर्थित औपचारिक रोजगार में तेजी से जगह मिलनी चाहिए ताकि विकास के लाभ सभी के लिए सुरक्षित एवं गरिमापूर्ण आजीविका में बदल सकें। पुराने विनियामक ढांचों के बने रहने के चलते, आंशिक रूप से, औपचारिकीकरण की गति और उद्यमों की सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण नौकरियां सृजित करने की क्षमता सीमित हो गई है।

वर्ष 2019 और 2020 के बीच संसद द्वारा मजदूरी, औद्योगिक संबंध, सामाजिक सुरक्षा और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कामकाज की स्थितियों के संबंध में पारित चार श्रम संहिताएं 2002 में रवींद्र वर्मा की अध्यक्षता वाली द्वितीय राष्ट्रीय श्रम आयोग द्वारा परिकल्पित लंबे समय से लंबित सुधारों का प्रतिनिधित्व करती हैं। इस श्रम आयोग का मिशन तत्कालीन मौजूदा श्रम ढांचे को संहिताबद्ध, सरल और संशोधित करना था। ये नई संहिताएं देश के श्रम परिदृश्य को आधुनिक बनाने और संरचनात्मक असंतुलनों को दूर करने हेतु एक व्यापक ढांचा प्रदान करती हैं। सभी राज्यों में इनका एकसमान कार्यान्वयन अब एक बेहद जरूरी राष्ट्रीय प्राथमिकता बन गई है।

ये नई संहिताएं 29 केन्द्रीय श्रम कानूनों को सरल और आधुनिक बनाती हैं। इन कानूनों में से कई बीसवीं सदी के मध्य के हैं। इन संहिताओं का उद्देश्य न केवल कानूनों का विलय करना है, बल्कि श्रमिकों/कर्मचारियों की विभिन्न परिभाषाओं को एक सरल परिभाषा में बदलना भी है। प्रत्येक संहिता श्रमिकों के अधिकारों और कल्याण को सुदृढ़ करती है और साथ ही नियोक्ताओं के लिए स्पष्टता और पूर्वानुमेयता प्रदान करती है। वेतन संहिता, 2019 प्रत्येक श्रमिक को श्रम की गरिमा का सम्मान करने वाला वेतन सुनिश्चित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। सार्वभौमिक न्यूनतम वेतन और एक राष्ट्रीय न्यूनतम वेतन लागू करके, यह संहिता इस बात की गारंटी देती है कि कोई भी श्रमिक, चाहे वह किसी भी पेशे या स्थान से जुड़ा हो, एक बुनियादी मानक आय से वंचित नहीं रहेगा। उद्योग की अनुसूची को समाप्त करने से सार्वभौमिक वेतन का मार्ग प्रशस्त होता है। समय पर भुगतान के प्रावधानों को मजबूत किया गया है।

इससे देरी की वह समस्या दूर हुई है, जो पहले परिवारों को कर्ज में धकेल देती थी। अब कर्मचारी अप्रदत्त वेतन या बोनस का दावा आसानी से कर सकते हैं और ऐसे विवादों में सबूत पेश करने का भार नियोक्ता पर होता है, जिससे जवाबदेही बढ़ती है। साथ ही, यह संहिता उद्यमों के लिए अनुपालनों को सुव्यवस्थित करती है। इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड-कीपिंग, एकल पंजीकरण एवं एकीकृत रिटर्न कागजी कार्रवाई को कम करते हैं और हेरफेर की आशंकाओं को घटाते हैं। सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 आजाद भारत में कल्याण के सबसे समावेशी विस्तारों में से एक है। कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम और मातृत्व लाभ अधिनियम सहित नौ प्रमुख कानूनों को एकीकृत करके, यह संहिता एक ऐसी एकीकृत प्रणाली स्थापित करती है जो पारंपरिक और भविष्य के कार्य, दोनों को कवर करती है। यह पहली बार है जब गिग श्रमिकों, प्लेटफॉर्म श्रमिकों और असंगठित क्षेत्र के लोगों को स्पष्ट रूप से राष्ट्रीय श्रमशक्ति का हिस्सा माना गया है। प्रत्येक श्रमिक को ई-श्रम पोर्टल के जरिए पंजीकृत किया जाएगा और एक विशिष्ट सामाजिक सुरक्षा संख्या प्रदान की जाएगी, जिससे स्वास्थ्य बीमा, पेंशन और मातृत्व सहायता जैसे लाभों का सीधा वितरण संभव हो सकेगा। यह सुनिश्चित करने के लिए केन्द्रीय व राज्य सामाजिक सुरक्षा कोष बनाए जायेंगे कि ऐप-आधारित डिलीवरी पार्टनर या निर्माण कार्यों में संलग्न मजदूर जैसे श्रमिक भी अब सुरक्षा के दायरे से बाहर न रहें और निधियों का समग्र प्रबंधन संभव हो। इस संहिता में करियर केन्द्र, डिजिटल एवं भौतिक प्लेटफॉर्म भी शामिल हैं जो व्यावसायिक मार्गदर्शन, परामर्श और रोजगार सेवाएं प्रदान करेंगे। यह संस्थागत समर्थन कल्याण को बहु-रोजगार क्षमता से जोड़ेगा, जिससे श्रमिकों को असुरक्षा की स्थिति से निकलकर अवसर की दिशा में बढ़ने में मदद मिल सकेगी। व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य परिस्थितियां संहिता, 2020 (ओएसएच संहिता), राष्ट्र निर्माण करने वालों की देखभाल और उनके प्रति जिम्मेदारी का एक संदेश है। प्रतिष्ठान की परिभाषा को व्यापक बनाकर, यह संहिता उन लाखों लोगों को सुरक्षा प्रदान करती है जो पहले सुरक्षा कानूनों के दायरे में नहीं आते थे। यह श्रमिकों के निःशुल्क वार्षिक स्वास्थ्य जांच को अनिवार्य करती है और नियोक्ताओं से कर्मचारियों पर कोई वित्तीय बोझ डाले बिना सुरक्षित एवं स्वच्छ कार्यस्थल बनाए रखने की अपेक्षा करती है। राष्ट्रीय व्यावसायिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य सलाहकार बोर्ड का गठन बदलती औद्योगिक परिस्थितियों के अनुरूप सुरक्षा मानकों का विकास सुनिश्चित करता है। ओएसएच संहिता लैंगिक समानता की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति सुनिश्चित करती है। महिला श्रमिकों को सभी प्रतिष्ठानों और रात्रि पाली में काम करने की अनुमति है, बशर्ते पर्याप्त सुविधाएं और सुरक्षा व्यवस्थाएं उपलब्ध हों। इससे अधिक संख्या में महिलाओं को श्रम बल में शामिल होने व बने रहने का अधिकार मिलता है। प्रवासी श्रमिकों को भी एक राष्ट्रीय पंजीकरण प्रणाली के जरिए मान्यता हासिल होती है। इससे कल्याणकारी योजनाओं और आवागमन संबंधी लाभों तक उनकी पहुंच सुनिश्चित होती है और बेहतर जीवन एवं आजीविका सुनिश्चित करने हेतु कानूनी ढांचे की निगरानी संभव होती है। कैंटीन और शौचालय जैसी सुविधाएं अब निचले पायदान तक अनिवार्य हैं और ऐसे प्रावधानों के निर्धारण के क्रम में ठेका श्रमिकों को भी शामिल किया जाता है। ये उपाय न्यूनतम अनुपालन से हटकर श्रमिकों के कल्याण के प्रति वास्तविक चिंता की दिशा में होने वाले बदलाव को दर्शाते हैं।

औद्योगिक संबंध संहिता, 2020, नियोक्ताओं और कर्मचारियों के बीच संबंधों में स्पष्टता लाती है और एक एकीकृत ढांचे के साथ तीन पुराने अधिनियमों की जगह लेती है। इसके तहत बीस या उससे अधिक कर्मचारियों वाले प्रतिष्ठानों के लिए शिकायत निवारण समितियां स्थापित करना अनिवार्य है ताकि विवादों के हड़ताल या मुकदमेबाजी में बदल जाने से पहले ही उनका शीघ्र समाधान उद्यम स्तर पर सुनिश्चित हो जाए। ट्रेड यूनियनों को एक समझौतावादी संघ या परिषद की अवधारणा के जरिए मान्यता हासिल होती है, जिससे सामूहिक सौदेबाजी को बल मिलता है और श्रमिकों को अपने कार्यस्थल को आकार देने में एक प्रभावी भागीदारी हासिल होती है। छंटनी का सामना कर रहे श्रमिक अब 30 दिन का नोटिस और पर्याप्त मुआवजा पाने के हकदार हैं। यह एक मानवीय सुधार है, जो आजीविका की सुरक्षा का सम्मान करता है। छंटनीग्रस्त श्रमिकों के लिए एक पुनः कौशल निधि (रिस्किलिंग फंड) की स्थापना एक दूरदर्शी दृष्टिकोण का संकेत देती है, जो बदलती अर्थव्यवस्था में सीखने और अनुकूलनशीलता को महत्व देती है। हड़ताल के अधिकार से संबंधित प्रावधानों पर पुनर्विचार करने की जरूरत है। बंदी या तालाबंदी की आसान मंजूरी के लिए उद्योगों के लिए श्रमिकों की सीमा को बढ़ाकर 300 तक करने के प्रावधान पर भी पुनर्विचार किया जाना चाहिए। इस संहिता द्वारा औपचारिक रूप से मान्यता प्राप्त निश्चित अवधि का रोजगार, उद्योग जगत को लचीलापन प्रदान करता है और साथ ही नियमित कर्मचारियों के समान वेतन और ग्रेच्युटी सहित अन्य सामाजिक सुरक्षा प्रावधानों में समानता की गारंटी देता है। यह कदम आधुनिक अर्थव्यवस्था की जरूरतों और उसमें काम करने वालों के औचित्य एवं सुरक्षा के बीच संतुलन स्थापित करता है। विभिन्न विकासशील देशों से मिले साक्ष्य यह दर्शाते हैं कि श्रम सुधारों ने आर्थिक विकास को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बढ़ते टैरिफ और व्यापार के बदलते पैटर्न से प्रभावित वैश्विक अर्थव्यवस्था में हो रहे बदलावों की पृष्ठभूमि में, भारत को अपने नए श्रम कानूनों को तत्काल लागू करना जरूरी है। सरल एवं पारदर्शी कानून निवेश को आकर्षित करेंगे, औपचारिक रोजगार को बढ़ावा देंगे और श्रमिकों की गरिमा को बनाए रखेंगे। समय पर अधिसूचना भारत को विकसित देशों का दर्जा दिलाने का मार्ग प्रशस्त करेगी।

एक ऐसे दौर में जब स्वचालन और डिजिटलीकरण पारंपरिक नौकरियों के खत्म हो जाने का खतरा पैदा कर रहे हैं, ये संहिताएं संतुलित विकास का एक ऐसा ढांचा प्रदान करती हैं जो तकनीकी प्रगति के बावजूद मानवीय गरिमा को बनाए रखता है। सभी राज्यों में इनके कार्यान्वयन से एक समान मानक बनेंगे, अस्पष्टता कम होगी और नौकरियां आसानी से सुलभ होंगी।

आगे की राह

ये चार संहिताएं एक ऐसे आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत की महत्वाकांक्षा की रीढ़ हैं, जो आर्थिक गतिशीलता और सामाजिक न्याय के बीच समन्वय सुनिश्चित करता है। ये संहिताएं निरीक्षकों को सुविधाप्रदाता में बदल देती हैं, पुराने एवं परस्पर विरोधी कानूनों को स्पष्ट व सुसंगत कानूनों से बदल देती हैं और श्रमिकों के कल्याण को आर्थिक नीति के केन्द्र में रखती हैं।

कुछ शर्तों के साथ इन सुधारों की भावना केवल एकीकरण में ही नहीं, बल्कि करुणा में भी निहित है। ये सुधार यह सुनिश्चित करते हैं कि कारखाने से लेकर डिजिटल प्लेटफॉर्म तक, हर कर्मचारी को सम्मान, सुरक्षा और संरक्षा मिले। श्रमिकों के लिए, ये सुधार निष्पक्षता और अवसर का वादा करते हैं। इसलिए, इन संहिताओं को शीघ्रता और एकरूपता के साथ लागू करना न केवल प्रशासनिक तात्कालिकता, बल्कि राष्ट्रीय प्रतिबद्धता का भी विषय है ताकि एक ऐसी अर्थव्यवस्था का निर्माण किया जा सके जहां विकास सबका साझा हो, काम का सम्मान हो और भारत की प्रगति में योगदान देने वाले हर हाथ की रक्षा हो एवं उनके जीवनयापन में आसानी हो।

महिलाओं को लेकर समाज और राजनीतिक दलों के सोच में सकारात्मक बदलाव

- अजय दीक्षित -

महिलाओं को लेकर राजनीतिक दलों में पिछले एक दशक से सकारात्मक परिवर्तन हुआ है। राजनीतिक दलों में सबसे पहले 2006 मप्र के मुख्यमंत्री बने शिवराज सिंह ने लाडली लक्ष्मी, कन्यादान योजना का आयोजन किया। शिवराज सिंह चौहान दर्शन विज्ञान के छात्र रहे हैं।इन योजनाओं के चलते 2008 के मप्र विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी 05 साल की सत्ता विरोधी लहर के बाबजूद जीत गई और अप्रत्याशित रूप से सत्ता में बापिस करली । लेकिन तब तक राजनीति दल शिवराज सिंह की इस गहरी चाल को भांप नहीं पाए थे।

इसके बाद शिवराज सिंह चौहान ने 2013 के मप्र विधानसभा चुनाव में जननी सुरक्षा, संबल योजना, विधवा पेंशन योजनाओं को चला दिया और मोदी लहर के शुरुआत का सहारा लेकर जीत हासिल की तब देश के राजनीतिक दलों ने खोज खबर ली कि मप्र में ये क्या हो रहा है। सभी राजनीतिक विशेषज्ञ इस बात से हैरान थे कि भारतीय जनता पार्टी ने तीसरी बार सरकार बनाई थी और वह भी दो तिहाई बहुमत से जीत हुई थी। और उसे 45.2 फीसदी मत मिला था। इधर तमिलनाडु में जयललिता ने अम्मा कैंटीन चला कर 2015 के चुनाव में जीत हासिल की । मप्र के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने 2023 के विधानसभा चुनावों में तो भारत वर्ष का सबसे बड़ा राजनीतिक हथियार ईजाद कर दिया लाडली बहना जिसके तहत प्रत्यक वर्ग, जाति, समुदाय, धर्म की महिलाओं को एक सिस्टम के तहत हर महीने 1250 रुपए सीधे उसके खाते में डाल कर चुनाव में 162 सीट लाकर कमाल कर दिया और 25 वर्ष तक मप्र में भारतीय जनता पार्टी की सत्ता तय कर दी। बताया जाता है कि शिवराज सिंह के इस फैसले से उनकी अपनी पार्टी और केंद्र सरकार भी खुश नहीं थी।मगर चुनाव परिणाम आने पर सब हतप्रभ रह गए। भारतीय जनता पार्टी ने 48 फीसदी वोट हासिल किए थे। जबकि चुनाव से पहले भोपाल से दिल्ली तक मप्र में कांग्रेस सरकार आने का हल्ला मचा हुआ था। अब तो महाराष्ट्र, दिल्ली, हरियाणा,के चुनावों सीधे महिलाओं को 1500 से 2000 रुपए महीने देना शुरू कर दिए और सभी राज्यों में भारतीय जनता पार्टी जीत गई । हालांकि नीतीश कुमार ने भी 2020 के चुनाव महिलाओं के लिए काफी घोषणाएं की थी । झारखंड में तो जेएमएम के हेमंत सोरेन ने हरा हुआ चुनाव मैया योजना से जीत लिया क्योंकि उन्होंने जेल से रिहा होकर मुख्यमंत्री बन महिलाओं के खाते में सीधे 7500, रुपए महीने डाल दिए और भारतीय जनता पार्टी को उसके दाव से ही हरा दिया।अब बिहार में तो नीतीश कुमार ने महिलाओं को 100 रूपये घूस जैसे दिए हैं। बिहार चुनाव में लोग दावा कर रहे हैं कि यही कारण से एनडीए सत्ता में लौट रहा है। हरियाणा में तो भारतीय जनता पार्टी ने तिगड़ी लगा दी। अब महिलाओं के जनधन खाते राजनीतिक हथियार बन चुके हैं और इसमें सत्ता रूढ़ पार्टी सत्ता विरोधी लहर से बच जाती है।पूरे देश में राजनीतिक दलों में मंथन चल रहा है कि इस मामले में क्या किया जाय। आजादी से पहले और बाद में भी समाज में नारी का पुरुष प्रधान समाज में बस अस्तित्व ही था और नारी को उपभोग और बच्चे पैदा करने के रूप में ही जाना जाता था।समाज ने नारी को कुलटा, देवदासी, वैश्या,यहां तक कि डायन तक कहा । राजे रजवाड़े हजारों स्त्रियां अपनी रखैल के रूप में रखते थे। इतना ही नहीं सती भी एक यातना ही थी। विधवा का जीवन तो नरकीय था ही उसे यौन शोषणों का शिकार बनाया जाता था।आजादी के बाद भी बालिकाओं का जन्म बहुत ही अशुभ माना जाता था हालांकि जो शोषण कर्ता पुरुष नारी की कोख से जन्म लेता है। एनी विसेंट, सरोजनी नायडू, सुषमा स्वराज, सुचेता कृपलानी, इंदिरा गांधी, जयललिता, शीला दीक्षित होना कोई आसान नहीं था। सनातनी धर्म काव्य,ग्रन्थ महिलाओं के विषय में गौरतलब संदेश देते हैं। लेकिन अब 21 सदी में पच्चीस साल बाद ऐसा लगता है कि नारी शक्ति है क्योंकि पुरुष महिला सशक्तिकरण की बात करने लगे चाहे वह वोट के सहारे ही सही ।अब महिलाओं को नौकरियों में आरक्षण, स्थानीय चुनावों में आरक्षण मिला हुआ है और संसद और विधानसभा चुनाव में आरक्षण का बिल पारित हो कर कानून बन चुका है।

राष्ट्र जागरण का प्रथम मंत्र वंदे मातरमः केंद्रीय गृहमंत्री

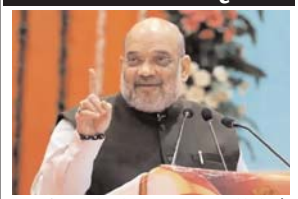

राष्ट्र के आत्मा से जन्मे शब्द कभी समाप्त नहीं होते, वे सदैव जीवित रहते हैं, पीढ़ियों तक गूंजते रहते हैं। यह जयघोष युगों और पीढ़ियों में अनंत काल तक प्रतिध्वनित होता रहेगा। समय आ गया है कि हम अपने समृद्ध इतिहास, अपनी संस्कृति, अपनी मान्यताओं और अपनी परंपराओं को भारतीयता की दृष्टि से देखें। हमारे देश के इतिहास में ऐसे कई महत्वपूर्ण पड़ाव आए, जब गीतों, कलाओं ने अलग-अलग रूपों में लोक भावनाओं को सहेजकर आंदोलन को आकार देने में महती भूमिका निभाई। चाहे छत्रपति शिवाजी महाराज जी की सेना के युद्धगीत हों, आजादी के आंदोलन में सेनानियों के गान हों या आपातकाल के विरुद्ध युवाओं के सामूहिक गीत, इन सबने भारतीय समाज को स्वाभिमान की प्रेरणा भी दी और एकजुट भी किया। ऐसा ही है भारत का राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम्, जिसका इतिहास किसी युद्धभूमि से नहीं, बल्कि विद्वान बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय जी के शांत, लेकिन अडिग संकल्प से शुरू होता है। 1875 में जगद्धात्री पूजा (कार्तिक शुक्ल नवमी या अक्षय नवमी) के दिन उन्होंने उस स्रोत की रचना की, जो भारत की स्वतंत्रता का शाश्वत गीत बन गया। इन पवित्र शब्दों को लिखते हुए वे भारत की गहनतम सभ्यतागत जड़ों से प्रेरणा ले रहे थे। अथर्ववेद के उद्घोष 'माता भूमिः पुत्रो अहं पृथिव्याः' से लेकर देवी महात्म्य में विश्वमाता के आह्वान से प्रेरणा ले रहे थे। बंकिम बाबू का यह मंत्र प्रार्थना भी था और भविष्यवाणी भी। वंदे मातरम् केवल भारत का राष्ट्रीय गीत ही नहीं, स्वतंत्रता आंदोलन का प्राण ही नहीं, बल्कि यह बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय जी द्वारा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की प्रथम उद्घोषणा है। इसने हमें याद दिलाया कि भारत केवल जमीन का एक टुकड़ा नहीं, बल्कि एक भू-सांस्कृतिक राष्ट्र है, जिसकी एकता उसकी संस्कृति और सभ्यता से आती है। यह केवल भू-भाग नहीं है, बल्कि तीर्थ है, स्मृति, त्याग, शौर्य और मातृत्व से बंधी पवित्र भूमि है। जैसा कि महर्षि अरबिंद ने वर्णन किया, बंकिम आधुनिक भारत के एक ऋषि थे, जिन्होंने अपने शब्दों के माध्यम से राष्ट्र के आत्मा को पुनर्जीवित किया। उनका आनंदमठ केवल एक उपन्यास नहीं, बल्कि गद्य में एक मंत्र था, जिसने एक ऐसे राष्ट्र को जागृत किया, जो अपनी दिव्य शक्ति को भूल चुका था। अपने एक पत्र में बंकिम बाबू ने लिखा, 'मुझे कोई आपत्ति नहीं है, यदि मेरे सभी कार्य गंगा में बहा दिए जाएं। यह श्लोक ही अनंत काल तक जीवित रहेगा। यह एक महान गान होगा और लोगों के हृदय को जीत लेगा।' ये शब्द भविष्यसूचक थे। औपनिवेशिक भारत के सबसे अंधकारमय काल में लिखा गया वंदे मातरम् जागृति का प्रभात-गीत बन गया, एक ऐसी रचना, जिसने सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को सभ्यतागत गौरव के साथ जोड़ दिया। ऐसी पंक्तियां केवल वही व्यक्ति लिख सकता था, जिसके रोम-रोम में राष्ट्र के प्रति भक्तिभाव कूट-कूट कर भरा हो। वर्ष 1896 में रवींद्रनाथ टैगोर जी ने वंदे मातरम् को धुन में पिरोया और कलकत्ता कांग्रेस अधिवेशन में इसे गाया, जिससे इसे वाणी और अमरता प्राप्त हुई। यह गीत भाषा और क्षेत्र की सीमाओं से आगे बढ़कर पूरे देश में गूंज उठा। तमिलनाडु में सुब्रमण्यम भारती जी ने इसका तमिल अनुवाद किया और पंजाब में क्रांतिकारियों ने इसे गाते हुए ब्रिटिश राज को खुली चुनौती दी। 1905 में बंग-भंग आंदोलन के दौरान बंगाल में विद्रोह भड़क उठा। अंग्रेजों ने वंदे मातरम्' के सार्वजनिक पाठ पर प्रतिबंध लगा दिया था, फिर भी 14 अप्रैल, 1906 को बारीसाल में हजारों लोगों ने इस आदेश की अवहेलना की। जब पुलिस ने शांतिपूर्ण सभा पर लाठीचार्ज किया तो पुरुष और महिलाएं सड़कों पर वंदे मातरम् का नारा लगाते हुए लहूलुहान हो गए। वहां से 'वंदे मातरम् का मंत्र गदर पार्टी के क्रांतिकारियों के साथ कैलिफोर्निया पहुंच गया। यह आजाद हिंद फौज में भी गूंजा, जब नेताजी के सैनिक सिंगापुर से मार्च कर रहे थे। इसी तरह यह 1946 में रायल इंडियन नेवी की क्रांति में भी गूंजा, जब भारतीय नाविकों ने ब्रिटिश युद्धपोतों पर तिरंगा फहराया। खुदीराम बोस से लेकर अशफाक उल्ला खां तक, चंद्रशेखर आजाद से लेकर तिरुपुर कुमारन तक, नारा एक ही था। यह अब केवल एक गीत नहीं रहा, बल्कि भारत के सामूहिक आत्मा की आवाज बन गया। महात्मा गांधी ने स्वयं स्वीकार किया था कि वंदे मातरम् में ÷सबसे सुस्त रक्त को भी जगाने की जादुई शक्ति÷ थी। इसने उदारवादियों और क्रांतिकारियों तथा विद्वानों और नाविकों तक को एकजुट किया। महर्षि अरबिंद जी ने इसीलिए कहा था कि यह 'भारत के पुनर्जन्म का मंत्र' है। 26 अक्टूबर को मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वंदे मातरम् गीत के इस इतिहास की देशवासियों को फिर से याद दिलाई। राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 7 नवंबर से भारत सरकार की ओर से अगले एक वर्ष तक अलग-अलग कार्यक्रमों का आयोजन करने का निर्णय लिया गया है। इन विभिन्न आयोजनों के माध्यम से देश भर में वंदे मातरम् का पूर्ण गान होगा, जिससे देश की युवा पीढ़ी सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के विचार को आत्मसात कर पाए। आज जब हम भारत पर्व मना रहे हैं और सरदार पटेल की जयंती पर उन्हें श्रद्धापूर्वक स्मरण कर रहे हैं तो यह भी याद करते हैं कि कैसे सरदार साहब ने एक भारत का निर्माण कर वंदे मातरम् की भावना को ही मूर्त रूप दिया। यह गीत केवल अतीत का स्मरण मात्र नहीं, बल्कि भविष्य के लिए एक आह्वान भी है। वंदे मातरम् आज भी विकसित भारत 2047 के हमारे संकल्प को प्रेरणा दे रहा है। यह भारत के सभ्यतागत आत्मविश्वास का प्रतीक है। अब इस भावना को आत्मनिर्भर और श्रेष्ठ भारत में परिवर्तित करना हमारी जिम्मेदारी है। वंदे मातरम् स्वतंत्रता का गीत है, अटूट संकल्प की भावना है और भारत के जागरण का प्रथम मंत्र है। राष्ट्र के आत्मा से जन्मे शब्द कभी समाप्त नहीं होते, वे सदैव जीवित रहते हैं, पीढ़ियों तक गूंजते रहते हैं। यह जयघोष युगों और पीढ़ियों में अनंत काल तक प्रतिध्वनित होता रहेगा।

चीन के झिंजियांग में भूकंप के झटके 4.7 की तीव्रता से हिली धरती

झिंजियांग। चीन के झिंजियांग में गुरुवार को भूकंप के झटकों से धरती डोल गई। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 4.7 आंकी गई। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने यह जानकारी दी है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार झिंजियांग में 220 किमी की गहराई पर भूकंप का केंद्र था। भूकंप की चपेट में आने से जानमाल का कितना नुकसान हुआ है, इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। वेबसाइट पर दी गई जानकारी के अनुसार 6 नवंबर को सुबह 6 बजकर 32 मिनट 18 सेकेंड पर भूकंप आया। इससे पहले चीन में 26 अक्टूबर को 4.9 की तीव्रता का भूकंप आया था, जिसकी गहराई 130 किलोमीटर थी।कम गहराई वाले भूकंप आमतौर पर गहराई वाले भूकंप से ज्यादा विनाशकारी होते हैं। चीन की भौगोलिक स्थिति की वजह से भूकंपीय गतिविधियों को लेकर इसे संवेदनशील माना जाता है। चीन दो सबसे बड़ी भूकंपीय पट्टियों, प्रशांत महासागरीय भूकंपीय पट्टी और हिंद महासागरीय भूकंपीय पट्टी के बीच स्थित है। यहां प्रशांत, हिंद महासागरीय और फिलीपींस प्लेट के आपसी दबाव के कारण भूकंप आने का खतरा ज्यादा रहता है। चीन के विज्ञान संग्रहालयों के अनुसार, 1900 से अब तक चीन में भूकंपों में 5,50,000 से अधिक लोग मारे गए हैं, जो कुल वैश्विक भूकंप हताहतों का 53 प्रतिशत है। 1949 से अब तक, चीनी नगर पालिकाओं और स्वायत्त क्षेत्रों में 100 से ज्यादा विनाशकारी भूकंप आ चुके हैं, जिनमें से 14 पूर्वी चीन में आए हैं। इसकी वजह से 270,000 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। यह आंकड़ा चीन में प्राकृतिक आपदाओं से हुई कुल मौतों का 54 प्रतिशत है। भूकंप प्रभावित जिलों का क्षेत्रफल 300,000 वर्ग किलोमीटर है, जहां 70 लाख से ज्यादा घरों को नुकसान पहुंचाया है। विशेषज्ञों का कहना है कि भूकंप और अन्य प्राकृतिक आपदाएं चीन के लिए एक बड़ी चुनौती बनी हुई हैं। शांतिपूर्ण समय में भी भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाएं चीन के लिए सबसे कठिन दौर लेकर आती हैं।

एच-1 वीजा धारकों को नौकरी देगी कनाडा सरकार प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने बजट में की घोषणा

टोरंटो। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन द्वारा एच-1बी वीजा की फीस में भारी बढ़ोतरी के बाद, कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने विदेशी कुशल पेशेवरों को आकर्षित करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। कनाडा ने अपने ताज़ा बजट में एक ऐसी योजना की घोषणा की है, जिसका उद्देश्य उच्च प्रशिक्षित अंतरराष्ट्रीय शोधकर्ताओं और तकनीकी विशेषज्ञों को देश में लाना है। यह कदम खास तौर पर उन भारतीय पेशेवरों के लिए राहतभरा साबित हो सकता है जो अब तक अमेरिका के एच-1बी वीजा पर निर्भर थे। क्योंकि इस वीजा के लाभार्थियों में लगभग 70 प्रतिशत भारतीय हैं। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने हाल ही में एच-1बी वीजा की फीस को बढ़ाकर लगभग एक लाख डॉलर सालाना कर दिया है। इस फैसले से अमेरिका में काम करने की इच्छा रखने वाले हजारों कुशल पेशेवर निराश हुए हैं। इसी पृष्ठभूमि में कनाडा ने मौका भांपते हुए इन पेशेवरों को आकर्षित करने के लिए विशेष कार्यक्रम शुरू किया है। इसके तहत कनाडा सरकार ने अपने बजट में 1.7 अरब डॉलर का प्रावधान किया है, जिससे 1,000 से अधिक उच्च कौशल वाले शोधकर्ताओं को रोजगार के अवसर दिए जाएंगे। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, कनाडाई बजट दस्तावेज़ में कहा गया है, ये शोधकर्ता हमारी वैश्विक प्रतिस्पर्धा को मजबूत करने और भविष्य की अर्थव्यवस्था के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इसके अलावा, कनाडा सरकार ने एच-1बी वीजा धारकों के लिए एक 'एक्सेलेरेटेड पाथवे' (तेज़-तर्रार मार्ग) की घोषणा भी की है, जिससे इन पेशेवरों को कनाडा में काम और स्थायी निवास के अवसर तेज़ी से मिल सकेंगे। अपनी नई आप्रवासन नीति के तहत, कनाडा 2026 से 2028 के बीच हर साल करीब 3,80,000 स्थायी निवासियों को देश में लाने की योजना बना रहा है। हालांकि, इसके साथ ही सरकार विदेशी छात्रों के एडमिशन में कटौती जारी रखेगी। जहां एक ओर कनाडा वैश्विक प्रतिभाओं को आकर्षित करने के लिए नए अवसर खोल रहा है, वहीं दूसरी ओर वह अस्थायी निवासियों की संख्या में बड़ी कमी लाने जा रहा है। पहले योजना थी कि 2026 में 3,85,000 और अगले दो वर्षों में 3,70,000 अस्थायी निवासियों को वीजा दिया जाएगा।

अगर ममदानी ने मेरी इज्जत नहीं की तो', ट्रंप ने न्यूयॉर्क के नए मेयर को लेकर दिया बड़ा बयान

न्यूयॉर्क। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने न्यूयॉर्क सिटी के नवनिर्वाचित मेयर जोहरान ममदानी के विजय भाषण को बेहद आक्रामक करार दिया है। ट्रंप ने कहा कि यदि ममदानी वॉशिंगटन के साथ सम्मानजनक व्यवहार नहीं करेंगे, तो उनके सफल होने की संभावना बहुत कम है। मेरा मानना है कि उन्हें मेरे प्रति थोड़ा अधिक सम्मान दिखाना चाहिए, क्योंकि मैं ही वह व्यक्ति हूं जो उनके शहर से जुड़ी कई मंजूरियों पर हस्ताक्षर करता है। वह अपने कार्यकाल की शुरुआत गलत तरीके से कर रहे हैं। ममदानी ने अपने जोशीले भाषण में ट्रंप को सीधी चुनौती दी और राजनीतिक वंशवाद को खत्म करने की बात कही। ट्रंप की कठोर आव्रजन नीतियों पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि न्यूयॉर्क प्रवासियों का शहर है और अब प्रवासी ही इसका नेतृत्व करेंगे। तालियों की गड़गड़ाहट के बीच ममदानी बोले, अगर कोई शहर ट्रंप से ठगा हुआ देश यह सिखा सकता है कि उन्हें कैसे हराया जाए, तो वह वही शहर है जिसने ट्रंप को जन्म दिया। और अगर किसी तानाशाह को रोकना हो, तो उसकी सत्ता तक पहुंचने की सीढ़ियां ही खत्म कर दो। उन्होंने आगे कहा, यह सिर्फ ट्रंप को रोकने की बात नहीं है, बल्कि भविष्य में किसी और ट्रंप को उभरने से रोकने का रास्ता है। उन्होंने कहा, न्यूयॉर्क हमेशा प्रवासियों का शहर रहेगा। प्रवासियों ने इसे बनाया है, वे ही इसे चलाते हैं, और आज से प्रवासी ही इसका नेतृत्व करेंगे।

निर्वाचन आयोग ने ईवीएम के मतदान बूथों पर बिजली काटने के आरोपों को खारिज किया

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए जारी मतदान के बीच राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने आरोप लगाए हैं कि धीमा मतदान करने के उद्देश्य से महागठबंधन के मजबूत बूथों पर बिजली काटी जा रही है। हालांकि, निर्वाचन आयोग ने राजद के आरोपों का खंडन किया है। राजद ने एक्स पोस्ट में लिखा, प्रथम चरण की वोटिंग के मध्य में महागठबंधन के मजबूत बूथों पर धीमा मतदान करने के उद्देश्य से बीच-बीच में बिजली काट दी जा रही है। जानबूझकर स्लो वोटिंग कराई जा रही है। राजद ने मांग करते हुए लिखा, चुनाव आयोग ऐसी धांधली, बुरी नीयत और दुर्भावनापूर्ण इरादों पर बिना विलंब के संज्ञान लेकर त्वरित कारवाई करे। बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जवाब देते हुए लिखा, आरोप पूरी तरह निराधार और भ्रामक है। बिहार में सभी मतदान केंद्रों पर सुचारू रूप से मतदान चल रहा है। भारत निर्वाचन आयोग मतदान प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी और निर्बाध बनाने के लिए सभी मानक प्रोटोकॉल का पालन कर रहा है। ऐसे भ्रामक प्रचार का कोई आधार नहीं है। निर्वाचन आयोग बिहार में जारी वोटिंग पर सीसीटीवी कैमरों के जरिए भी नजर रख रहा है। गुरुवार सुबह मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और दोनों चुनाव आयुक्त पहली बार 100 प्रतिशत मतदान केंद्रों में लगाए गए सीसीटीवी कैमरों की निगरानी के लिए चुनाव आयोग के नियंत्रण कक्ष में पहुंचे। फिलहाल, बिहार के 18 जिलों की 121 विधानसभा सीटों के लिए पहले चरण में मतदान सुबह 7 बजे से जारी है। शुरुआती घंटों में 27.65 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है। जिला स्तर पर बेगूसराय में 11 बजे तक सबसे अधिक (30.37 प्रतिशत) मतदान हुआ है। वहीं, अब तक पटना जिले में सबसे कम (23.71 प्रतिशत) वोट पड़े हैं। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, विधानसभा सीट के हिसाब से सुबह 11 बजे तक गरखा में सबसे अधिक 33.70 प्रतिशत वोट डाले गए हैं। इसके अलावा 12 अन्य सीटें हैं, जहां 30 प्रतिशत से अधिक मतदान दर्ज हुआ है।

तवा से रोटी पलटती रहनी चाहिए नहीं तो जल जाएगी, 20 साल बहुत हुआ : लालू

पटना, 07 नवंबर [एजेंसी]।

बिहार चुनाव के पहले चरण की वोटिंग के बीच राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव ने मतदाताओं से खास अंदाज में अपील की। लालू प्रसाद यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, तवा से रोटी पलटती रहनी चाहिए नहीं तो जल जाएगी। 20 साल बहुत हुआ! अब युवा सरकार और नए बिहार के लिए तेजस्वी सरकार अति आवश्यक है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के एक्स हैंडल में लिखा, याद रखिए तेजस्वी की गारंटी ही आपकी खुशियों की गारंटी है। तेजस्वी यादव जी की गारंटी से ही आपका परिवार आगे बढ़ेगा और खुशहाल, प्रगतिशील और सुरक्षित रहेगा। इधर-उधर की बातों पर ध्यान नहीं देना है, केवल सरकारी नौकरी, रोजगार, बदलाव, फैक्ट्री और बिहार में तीव्र गति से प्रगति के लिए ही मतदान करना है।

आपको एवं आपके परिवार को कचोटने वाले मुद्दे ही वास्तविक मुद्दे हैं। उसके आगे कुछ नहीं देखना है। आगे लिखा, अगर आपको अपने बच्चों के लिए सरकारी नौकरी चाहिए, बिहार के लिए अच्छा भविष्य चाहिए और बिहार को अग्रणी राज्यों में शामिल करना है, तो आपको भारी संख्या में मतदान केंद्र जाकर महागठबंधन के लिए वोट करना है। किसी भी प्रलोभन, बहकावे, भटकावे या लालच में आकर अपना जीवन बर्बाद न करें। बिहार देश का सबसे पिछड़ा राज्य बन चुका है। इसे आगे लाने के लिए नौकरी और रोजगार अत्यावश्यक है। अपना बिहारी स्वाभिमान जगाएं और तेजस्वी सरकार बनाकर बिहार को आगे बढ़ाएं। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 18 जिलों की 121 विधानसभा सीटों के लिए सुबह 7 बजे मतदान शुरू हुआ। मतदान केंद्र पर सुबह से ही मतदाताओं की कतारें लगी हैं। चुनाव आयोग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार सुबह 9 बजे तक 13.13 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है। शुरुआती दो घंटों में सबसे अधिक वोट सहरसा में डाले गए हैं, जहां बड़ी संख्या में मतदाताओं ने अपने मत का इस्तेमाल किया है। सहरसा में सुबह 9 बजे तक 15.27 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) के अनुसार, इस चुनाव में कुल 3,75,13,302 मतदाता हैं, जिनमें 1,98,35,325 पुरुष, 1,76,77,219 महिलाएं और थर्ड जेंडर के 758 मतदाता शामिल हैं।

60 करोड़ की धोखाधड़ी मामला : शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा की कंपनी के चार पूर्व कर्मचारियों को समन

नईदिल्ली, 07 नवंबर [एजेंसी]।

व्यवसायी से 60 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के मामले में अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा के केस में नया अपडेट आया है। आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने एक्ट्रेस की कंपनी में काम करने वाले चार पूर्व कर्मचारियों को पूछताछ के लिए समन जारी किया है। चार में से एक का बयान दर्ज किया जा चुका है।

बेस्ट डील प्राइवेट लिमिटेड में काम करने वाले 4 कर्मचारियों को समन भेजा गया है। आर्थिक अपराध शाखा के अधिकारी ने बताया कि कंपनी का एक कर्मचारी शाखा के सामने पेश हो चुका है और उसका बयान भी दर्ज हो चुका है, जबकि तीन कर्मचारियों का पेश होना बाकी है। उन तीनों से भी पूछताछ कर बयान दर्ज कराया जाएगा। ये चारों कर्मचारी कंपनी में पहले काम करते थे। वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि टीम उन पहलुओं की जांच कर रही है कि क्या वाकई राज कुंद्रा की कंपनी के पास ग्राहकों का इतना ऑर्डर था, जिसको पूरा करने के लिए राज कुंद्रा को व्यवसायी से 60 करोड़ रुपए का लोन लेना पड़ा और टैक्स की बचत के लिए लोन को निवेश के तौर पर दिखाया था। साथ ही टीम कंपनी से जुड़े

प्रोडक्ट सप्लायरों और एडवर्टाइज देने वाली कंपनियों से भी पूछताछ करेगी। अगर पूछताछ में कुछ संदिग्ध सामने आता है तो शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा से दोबारा पूछताछ की जाएगी। आर्थिक अपराध शाखा ने कर्मचारी से कंपनी से जुड़े सवाल किए। शाखा ये पता लगाने की कोशिश कर रही है कि कंपनी के कर्मचारियों को सैलरी कैसे दी जाती है। सैलरी का हिस्सा कंपनी की होने वाली कमाई से दिया जाता था या सैलरी का पैसा कहीं और से भी लाया जाता था? क्या दफ्तरों की फर्निशिंग में 20 करोड़ रुपए खर्च किए गए थे?

जांच शाखा दफ्तरों की फर्निशिंग करने वाली कंपनियों से भी पूछताछ करेगी। इससे पहले शिल्पा शेट्टी ने कोर्ट से विदेश जाने की इजाजत मांगी थी, लेकिन कोर्ट ने यह कहकर याचिका को ठुकरा दिया था कि पहले धोखाधड़ी का पैसा भरें और फिर जहां जाना है, वहां जाएं।

चार साइबर आपराधिक गिरोहों का भंडाफोड़, छह आरोपी गिरफ्तार

नईदिल्ली, 07 नवंबर [एजेंसी]।

दिल्ली पुलिस की साइबर पश्चिम इकाई ने सप्ताह भर चले विशेष अभियान में चार अंतरराज्यीय साइबर आपराधिक गिरोहों का सफलतापूर्वक भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में छह आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जिनसे कुल 34 लाख रुपए से अधिक की ठगी की राशि बरामद करने के सुराग मिले। अभियान के दौरान 7 मोबाइल फोन, 3 एटीएम कार्ड, 2 चेक बुक, 1 पासबुक और 2 सिम कार्ड बरामद हुए। यह कार्रवाई इंस्पेक्टर विकास कुमार (थाना प्रभारी, साइबर वेस्ट) और एसीपी ऑप्स विजय सिंह के नेतृत्व में डीसीपी पश्चिम शरद भास्कर दाराडे (आईपीएस) के पर्यवेक्षण में संपन्न हुई। शिवा (19 वर्ष, बेरोजगार, 8वीं पास) और पुनीत कुमार उर्फ साहिल (22 वर्ष, बेरोजगार, 12वीं पास) को गिरफ्तार किया गया। 8 जुलाई 2024 को एक शिकायत में पीड़ित ने बताया कि फर्जी व्हाट्सएप वीडियो कॉल पर खुद को पुलिस अधिकारी बताकर मनी लॉन्ड्रिंग जांच के बहाने 11,75,228 रुपए की ठगी की गई। एसआई अरविंद सिंह, हेड कांस्टेबल नरेश और कांस्टेबल कपिल की टीम ने तकनीकी विश्लेषण से हरिजन बस्ती, बल्लभगढ़ से दोनों को पकड़ा। जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी खच्चर बैंक खातों का संचालन कर ठगी की राशि ट्रांसफर करते थे। अंकित सोनकरिया (19 वर्ष, फूल विक्रेता, 8वीं पास) को उदयपुरिया गांव से गिरफ्तार किया। पीड़ित से गूगल मैप्स रिव्यू के नाम पर 2,74,520 रुपए ठगे गए। एसआई तरुण राणा, हेड कांस्टेबल अमर और कांस्टेबल दीपेंद्र की टीम ने छापेमारी की। आरोपी कमीशन आधारित बैंक खाते चलाता था। लवलेश कुमार (22 वर्ष, फार्मेसी डिप्लोमा, दवा पैकिंग फैक्ट्री कर्मी) और हरभजन (24 वर्ष, बीएससी स्नातक, निजी अस्पताल सहायक) को पकड़ा गया। शिकायतकर्ता गुरजीत सिंह से मीटर सत्यापन की फर्जी एपीके इंस्टॉल कर 16,52,000 रुपए ठगे, जिसमें 6 लाख रुपए नकली खातों से ट्रांसफर हुए। एसआई अंकुर ओहलान, हेड कांस्टेबल दीपक और कांस्टेबल भूपेंद्र की टीम ने गुड़गांव, नोएडा व अलीगढ़ में छापे मारे। आरोपी कई बैंकों में कमीशन आधारित खाते संचालित करते थे।

बिहार में डिप्टी सीएम के काफिले पर हमला

पटना। बिहार चुनाव प्रचार के बीच लखीसराय में उपमुख्यमंत्री एवं भाजपा उम्मीदवार विजय कुमार सिन्हा के काफिले को घेरकर हंगामा करने का मामला सामने आया। आरोप है कि आरजेडी समर्थकों ने सिन्हा की गाड़ी पर गोबर और पत्थर फेंके। घटना उस वक्त हुई जब वे सड़क पर समर्थकों से मिल रहे थे। सुरक्षा बलों ने उन्हें तुरंत वाहन में बिठाया और काफिले को आगे बढ़ाने की कोशिश की, लेकिन नारेबाजी करती भीड़ ने रास्ता रोक दिया। पुलिस ने धक्का-मुक्की के बीच भीड़ को पीछे धकेलकर मार्ग साफ कराया। विजय सिन्हा ने कहा, ये गुंडा राजद का है और सत्ता में आ रही है एनडीए तो इनके छाती पर बुलडोजर चलेगा। ये गुंडा सब प्रत्याशी को गांव नहीं घूमने देगा।

अनिल अंबानी की बढ़ीं मुश्किलें, मनी लॉन्ड्रिंग मामले में समन जारी, 14 नवंबर को होगी पूछताछ

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रिलायंस एडीएजी ग्रुप के चेयरमैन अनिल अंबानी को उनके समूह के खिलाफ चल रहे मनी लॉन्ड्रिंग मामले के लिए एक बार फिर से समन भेजा है। सूत्रों के मुताबिक, सरकारी जांच एजेंसी अनिल अंबानी से 14 नवंबर को पूछताछ करेगी। यह खबर ऐसे समय पर सामने आई है, जब ईडी ने इस सप्ताह की शुरुआत में धन शोधन निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत नवी मुंबई स्थित धीरूभाई अंबानी नॉलेज सिटी में 4,462.81 करोड़ रुपए मूल्य की 132 एकड़ से अधिक जमीन को अस्थायी रूप से जब्त कर लिया है।

विश्व कप जीतने के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भारतीय महिला टीम की मुलाकात

नई दिल्ली। महिला विश्व कप 2025 का खिताब जीतने के बाद गुरुवार को भारतीय टीम ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। यह मुलाकात नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में हुई, जहां राष्ट्रपति ने टीम इंडिया को जीत की बधाई दी। इस दौरान भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को खिलाड़ियों के सिग्नेचर की हुई जर्सी भेंट की। कप्तान ने विश्व कप ट्रॉफी हाथों में लेकर राष्ट्रपति के साथ तस्वीरें भी क्लिक करवाईं। इसके साथ ही पूरी टीम भी राष्ट्रपति के साथ फोटो सेशन में नजर आई। इससे पहले, बुधवार को भारतीय टीम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से 7 लोक कल्याण मार्ग पर मुलाकात की थी।

पति को छोड़ा, प्रेमी के पीछे बिहार से सूरत पहुंची, शादी का दबाव बनाया तो कर दी हत्या

सूरत, 07 नवंबर [एजेंसी]।

सोशल मीडिया पर हुए प्यार का एक बेहद खौफनाक अंत सामने आया है। 22 साल की एक महिला (काजल) का अपने पति से रिश्ता ठीक नहीं था, इसी बीच उसकी मुलाकात एक दूसरे लड़के से हुई। वह उसे इस कदर पसंद करने लगी कि उसके पीछे बिहार से दिल्ली और फिर गुजरात के सूरत तक पहुंच गई। लेकिन इस प्रेम कहानी का अंत इतना खौफनाक होगा, यह किसी ने नहीं सोचा था। काजल की लाश एक ट्रैवल बैग में बंद करके गड्ढे में दबा दी गई। आरोप है कि जिस प्रेमी को पाने के लिए वह बिहार से गुजरात तक गई, उसी ने शादी के दबाव से तंग आकर उसकी हत्या कर दी और फिर उसके दो साल के बेटे को लेकर भाग गया। सूरत पुलिस ने इस मामले का खुलासा करते हुए आरोपी प्रेमी रवि शर्मा (27) को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने सोमवार को सूरत से करीब 50 किलोमीटर दूर कोसांबा-तरसादी रोड पर एक रेलवे ओवरब्रिज के पास गड्ढे से एक ट्रॉली बैग बरामद किया, जिसमें काजल की लाश थी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी रवि, काजल के बेटे को लेकर फरार हो गया था। सूरत पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए रवि को गिरफ्तार करने के साथ ही काजल के बेटे को भी सुरक्षित बरामद कर लिया है। पुलिस की शुरुआती पूछताछ में पता चला कि काजल और रवि की मुलाकात करीब एक साल पहले सोशल मीडिया के जरिए हुई थी। मुजफ्फरपुर के भटोलिया का रहने वाला रवि शर्मा उस वक्त दिल्ली के एक होटल में काम करता था। काजल भी मुजफ्फरपुर के ही एक गांव की रहने वाली थी। वह शादीशुदा थी और उसका एक बच्चा भी था, लेकिन पति से अलगाव की वजह से वह रवि के साथ रहना चाहती थी। पुलिस के मुताबिक, काजल अपने एक साल के बेटे को लेकर दिल्ली चली गई और वहां रवि पर शादी का दबाव बनाने लगी। लेकिन रवि शादी नहीं करना चाहता था, जिस वजह से दोनों में अक्सर झगड़ा होता था। कुछ महीने पहले, रवि चुपचाप काजल को बिना बताए गुजरात चला गया और वहीं काम करने लगा। उसने काजल से संपर्क तोड़ दिया और उसका नंबर भी ब्लॉक कर दिया। रवि जिस दोस्त के सहारे गुजरात पहुंचा था, काजल ने उससे संपर्क करके किसी तरह रवि का पता लगा लिया। कुछ दिन पहले ही वह अपने बेटे को लेकर दिल्ली से कोसांबा (सूरत) पहुंच गई। वह यहां रवि के साथ रहने लगी और उस पर शादी का दबाव और बढ़ा दिया। रविवार को दोनों के बीच इसी बात को लेकर जमकर झगड़ा हुआ, जिसके बाद रवि ने गला दबाकर काजल की हत्या कर दी। हत्या के बाद रवि ने पहले काजल के बच्चे को अपने एक दोस्त के घर छोड़ा। इसके बाद वह कोसांबा रेलवे स्टेशन गया और वहां से एक ट्रॉली बैग खरीदा। उसने वापस आकर बैग में काजल की लाश को डाला और उसे गड्ढे में दबा दिया। बाद में वह बच्चे को लेकर ट्रेन से दिल्ली चला गया। पुलिस ने उसे फरीदाबाद में एक दोस्त के घर से गिरफ्तार किया।

दरभंगा शहरी में लोकतंत्र पर खतरा

पटना । जन सुराज पार्टी ने 83-दरभंगा शहरी विधानसभा क्षेत्र में बड़े पैमाने पर चुनावी गड़बड़ी और लोकतांत्रिक मूल्यों के उल्लंघन पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। पार्टी ने आरोप लगाया है कि यहां पर फर्जी मतदान, आचार संहिता का उल्लंघन और पुलिस की मिलीभगत से चुनाव प्रक्रिया को अनुचित रूप से प्रभावित किया गया है।

पीएम मोदी ने दीप्ति से पूछा भगवान हनुमान के टैटू का राज ऑलराउंडर बोलीं- मुझे खुद से ज्यादा उन पर विश्वास

नईदिल्ली, 07 नवंबर [एजेंसी]।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को भारतीय महिला विश्व कप विजेता टीम से मुलाकात की। इस बीच पीएम मोदी ने दीप्ति शर्मा के इंस्टाग्राम अकाउंट पर लिखे जय श्री राम और उनकी बांह पर बने भगवान हनुमान के टैटू के बारे में पूछा। भारतीय क्रिकेटर ने भगवान हनुमान के टैटू को लेकर कहा, मुझे खुद से ज्यादा उन पर विश्वास है। जब भी कठिनाइयां आती हैं, तो उनका नाम लेती हूं। मैं उन कठिनाइयों से बाहर आ जाती हूं। विश्व कप 2025 की प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट दीप्ति शर्मा ने कहा कि वह पीएम मोदी से मिलने का इंतजार कर रही थीं। उन्होंने साल 2017 में हुई मुलाकात को याद किया, जब पीएम मोदी ने उनसे कड़ी मेहनत करते रहने के लिए कहा था।

दीप्ति ने कहा, हमें आपसे मिलने का इंतजार था। मुझे याद है कि आपने साल 2017 में मुझे कहा था कि वही असल खिलाड़ी है, जो अपनी असफलता से सीखे। मेहनत करना मत छोड़ना। इन बातों ने मुझे हमेशा मोटिवेट किया है। जब भी वक्त मिलता है, मैं आपकी स्पीच सुनती हूं। आप बहुत अच्छी तरह से स्थितियों को संभालते हैं। ये मुझे अपने गेम में मदद करता है। भारत ने नवी मुंबई में खेले गए खिताबी मुकाबले में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 7 विकेट खोकर 298 रन बनाए। इस पारी में शेफाली वर्मा ने 87 रन की पारी खेली, जबकि दीप्ति शर्मा ने 58 रन बनाए। इसके जवाब में साउथ अफ्रीकी टीम 45.3 ओवरों में महज 246 रन पर सिमट गई। इस पारी में दीप्ति शर्मा ने 9.3 ओवरों में 39 रन देकर 5 विकेट हासिल किए। भारत ने फाइनल मैच 52 रन से अपने नाम किया। दीप्ति शर्मा महिला विश्व कप 2025 में सर्वाधिक 22 विकेट लेकर शीर्ष गेंदबाज रहीं। इसके अलावा, उन्होंने इंग्लैंड और साउथ अफ्रीका के खिलाफ अर्धशतकीय पारियां खेलीं।

अंतरराष्ट्रीय पुष्कर मेले का भव्य समापन सांस्कृतिक रंगों में डूबे नजर आए पर्यटक

अजमेर, 07 नवंबर [एजेंसी]।

अजमेर में पंद्रह दिवसीय विश्व प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय पुष्कर मेले का भव्य समापन हो गया, जहां मेले के आखिरी दिन खेल समारोह और पारंपरिक डांस ने पर्यटकों का दिल जीत लिया। विदेशी महिलाओं ने समापन के दिन हुए खेलों में अपनी भागीदारी निभाई, जहां उनका मुकाबला राजस्थान की महिलाओं के साथ हुआ। मेले के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी और राजस्थान सरकार के जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत भी मौजूद रहे। राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने मीडिया से बात कर कहा कि कार्तिक पूर्णिमा के दिन मेले का समापन हो गया है और सिर्फ देश ही नहीं, बल्कि विदेश में भी इस मेले की अमिट छाप है। यह मेला हमारी संस्कृति का प्रतीक है और हमारी राष्ट्रीय एकता को भी प्रबल करता है।

राजस्थान सरकार के जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने मेले के समापन पर कहा, इस बार मेला अच्छी व्यवस्था और सुधार के साथ पूरा हुआ है। यहां हमारे विदेशी मेहमानों ने भी भागीदारी निभाई और मेले का आनंद लिया। हमने इस बार प्रशासन की मदद से पशु प्रतियोगिता में भाग लेने वाले पशुओं के लिए अच्छी जगह का इंतजाम किया और स्वच्छता का भी ध्यान रखा। इस अवसर पर अजमेर जिला कलेक्टर लोकबंधु और एडिशनल एसपी ग्रामीण डॉ. दीपक कुमार शर्मा भी मौजूद रहे। मेले के समापन समारोह में घुड़सवारों की रेस भी हुई, जिसमें राजस्थान की शौर्य परंपरा को दर्शाया गया। इसके साथ ही लोक संस्कृति का मन मोह लेने वाला नजारा भी देखने को मिला, जहां राजस्थान की कला और सांस्कृतिक नृत्य जैसे कालबेलिया नृत्य और नगाड़ा वादन देखने को मिले। मेला देखने आए विदेशी पर्यटकों ने भी इन लोक प्रस्तुतियों में भाग लिया। कुछ विदेशी महिलाएं सतरंगी पगड़ी पहने नगाड़ा वादन करती दिखीं, जबकि कुछ महिलाओं को रस्सी खींच प्रतियोगिता में भाग लेते देखा गया। मेले के दौरान आयोजित अलग-अलग प्रतियोगिताओं के विजेताओं को समारोह में पुरस्कृत किया गया। उन्हें ट्रॉफी और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया।

15 साल में जंगलराज वालों ने बिहार को तबाह किया, राजद पर पीएम मोदी का तीखा प्रहार

अररिया, 07 नवंबर [एजेंसी]।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजद पर हमला बोलते हुए कहा कि 1990 से लेकर 2005 तक 15 साल में जंगलराज वालों ने बिहार को तबाह कर दिया। सरकार चलाने के नाम पर सिर्फ जनता को लूटा गया। बिहार के लोगों के साथ वोट की ताकत के बारे में बात करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आपके दादा-दादी और नाना-नानी के एक वोट ने बिहार को सामाजिक न्याय की भूमि बनाया था। लेकिन, फिर 90 का दशक आया और बिहार पर राजद के जंगलराज ने हमला कर दिया। जंगलराज मतलब- कट्टा, क्रूरता, कटुता, कु-संस्कार, करप्शन और कुशासन। ये जंगलराज की पहचान बन गए और ये बिहार का दुर्भाग्य बन गया। आपके माता-पिता के सपने कुचल दिए गए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जंगलराज के दौरान बिहार में हुए विकास का रिपोर्ट कार्ड जीरो है। 1990 से लेकर 2005 तक 15 साल, इस जंगलराज ने बिहार को तबाह कर दिया। उन्होंने राजद का रिपोर्ट कार्ड पेश करते हुए कहा, 15 साल के जंगलराज में बिहार में जीरो एक्सप्रेसवे बने, जीरो मेडिकल कॉलेज बनाए गए और कोसी नदी पर भी जीरो पुल बने। बिहार में एक भी टूरिस्ट सर्किट विकसित नहीं हुआ। 15 साल के जंगलराज में बिहार में खेलकूद के लिए स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स भी नहीं बनाए गए। उन 15 सालों में एक भी आईआईटी, आईआईएम या नेशनल लॉ कॉलेज की स्थापना नहीं हुई।

एनडीए सरकार के कामों को गिनाते हुए पीएम मोदी ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार को बहुत मुश्किल से जंगलराज से बाहर निकाला। डबल इंजन की सरकार बनने के बाद बिहार के विकास में नई तेजी आई है। उन्होंने बताया कि पटना में आईआईटी और एम्स, बोधगया में आईआईएम, बिहार में नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी और भागलपुर में आईआईआईटी बनाए गए हैं। दरभंगा एम्स का काम जारी है, जबकि बिहार में 4 सेंट्रल यूनिवर्सिटी भी स्थापित की गई हैं। पीएम मोदी ने यह भी बताया कि गंगा नदी पर चार नए पुल बनाए गए हैं। जनसभा के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी ने पहले चरण में जारी मतदान को लेकर मतदाताओं का अभिनंदन किया और कहा, सुबह से ही मतदान केंद्रों पर लंबी लाइनें लगी हुई हैं। माताएं-बहनें-बेटियां वोट के लिए बड़ी संख्या में बाहर निकल रही हैं। बिहार के नौजवानों में भी अभूतपूर्व उत्साह है। उन्होंने कहा, आज पूरे बिहार से एक ही आवाज आ रही है, फिर एक बार ह्ृष्ठ सरकार, फिर एक बार सुशासन की सरकार। बिहार की इसी भावना के पीछे माताओं-बहनों की उम्मीदें हैं और नौजवानों के सपने हैं। नौजवानों, मोदी की ये गारंटी लिख कर रखो, आपका सपना ही मोदी का संकल्प है।

मुंडाभाटा के पास आयल टैंकर और ट्रेलर की टक्कर में दो चालक जख्मी

कोरबा। कटघोरा बायपास में गुरुवार दोपहर एक बड़ा हादसा हो गया। जेंजरा-कटघोरा बायपास के मध्य स्थित ग्राम पंचायत हुंकरा के मुड़ाभाटा के पास गुरुवार सुबह लगभग 11 बजे एक तेज रतार ट्रेलर और इंडियन ऑयल टैंकर में आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। हादसे में दोनों वाहनों के चालक गंभीर रूप से घायल हो गए।घटना के तुरंत बाद मौके पर अफरातफरी का माहौल निर्मित हो गया। दुर्घटना के कारण सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। जाम की स्थिति लगभग डेढ़ घंटे तक बनी रही, इससे सैकड़ों वाहन फंसे रहे। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। इसके बाद कटघोरा पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे में ट्रेलर और टैंकर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं। पुलिस और स्थानीय लोगों ने मिलकर घंटों की मशक्कत के बाद सड़क पर पड़े दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हटाया, तब जाकर यातायात धीरे-धीरे सामान्य हो सका। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बायपास सड़क की स्थिति काफी खराब है। जगह-जगह बने बड़े-बड़े गड्ढे और उड़ती धूल के कारण दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से सड़क की मरमत और यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने की मांग की है। इस हादसे के कारण अबिकापुर और चिरमिरी की ओर जा रहे भारी वाहनों की लंबी लाइन लग गई थी, इससे यातायात प्रभावित हुआ। पुलिस दुर्घटना की जांच कर रही है। दोनों वाहनों के घायल चालकों की स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

महापौर ने दिव्यांग विरेन्द्र दास को ट्रायसिकल की प्रदान

कोरबा ।कोरबा नगर निगम महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने नगर पालिक निगम कोरबा क्षेत्रांतर्गत रामनगर बस्ती के निवासी दिव्यांग विरेन्द्र दास को ट्रायसिकल प्रदान की, उन्होने श्री दास को अपनी शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ववल भविष्य की कामना करी, इस मौके पर पार्षद लक्ष्मण श्रीवास, धनश्री साहू एवं प्रीति दिनेश शर्मा, उपायुक्त बी.पी. त्रिवेदी, अजय साहू, दिनेश शर्मा आदि के साथ अन्य लोग उपस्थित थे।नगर पालिक निगम कोरबा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली रामनगर बस्ती के निवासी विरेन्द्र दास पैरों से दिव्यांग हैं तथा उन्हें कहीं भी आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ता है, आज निगम के मुख्य प्रशासनिक भवन साकेत परिसर में महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने श्री दास को ट्रायसिकल प्रदान की तथा उन्हें अपनी शुभकामनाएं दी।

22 वर्ष में कोरबा जिले में पौने 4 लाख वोटर्स बढ़े, ये हैं जांच के घेरे में

विभिन्न प्रदेशों में कई प्रकार के कनेक्शन उजागर होने के बाद एसआईआर

कोरबा। विधानसभा की चारों सीट पर मतदता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर शुरू हो गया है। बीएलओ गणना पत्रक को लेकर घर- घर पहुंच रहे हैं। मतदाता सूची में दर्ज नाम के आधार पर घर के प्रत्येक वोटर को गणना पत्रक दिया जा रहा है। इसे भरकर जमा करने के लिए कहा जा रहा है।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी की ओर से बताया गया है कि एसआईआर कोरबा जिले में 4 नवंबर से शुरू किया गया है, जो 4 दिसंबर तक चलेगा। इस अवधि में बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) अपने मतदान केन्द्र में मौजूद सभी वोटरों तक पहुंचेंगे। घर- घर जाकर गणना पत्रक देंगे। पत्रक को भरने की प्रक्रिया से अवगत कराएंगे। निर्धारित अवधि में वोटर गणना पत्रक को भरकर बीएलओ को वापस करेंगे। पत्रक के साथ आयोग की ओर से मांगे गए दस्तावेज देंगे। बीएलओ भरा हुआ गणना पत्रक और दस्तावेज को बीएलओ एप पर अपलोड करेंगे।

इस बीच कोरबा जिले की मतदाता सूची को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आई है। आंकड़ों को खंगालने से स्पष्ट हुआ है कि वर्ष 2003 में जब आयोग की ओर से छत्तीसगढ़ में पहली बार एसआईआर किया गया था, उस समय कोरबा जिले में विधानसभा की तीन सीटें थीं। इसमें रामपुर, कटघोरा और पाली तानाखार थीं। 2003 की एसआईआर में विधानसभा की तीनों सीट पर तीन लाख 60 हजार 743 मतदाता थे। इसमें सबसे अधिक दो लाख 76 हजार 074 कटघोरा विधानसभा क्षेत्र में थे। पाली तानाखार विधानसभा क्षेत्र में एक लाख 65 हजार 839 मतदाता के नाम आयोग की सूची में शामिल किए गए थे। 2003 में सबसे कम वोटर रामपुर विधानसभा क्षेत्र में थे। विधानसभा सीट रामपुर की मतदाता सूची में एक लाख 48 हजार 622 वोटर के नाम शामिल थे। वर्ष 2003 से 2025 तक यानी 22 साल की अवधि में कोरबा जिले में वोटरों की संया काफी तेजी से बढ़ी है। वर्ष 2025 में वोटर लिस्ट में जिले में मतदाताओं की संया बढ़कर 9 लाख 51 हजार 278 हो गई। यानी 22 साल में कोरबा जिले की चार विधानसभा सीटों पर तीन लाख 60 हजार 743 वोटर बढ़ गए। एसआईआर की पूरी प्रक्रिया में आयोग की पैनी नजर इन्हीं वोटर पर है। एसआईआर अवधि में इन मतदातों को आयोग की ओर से निर्धारित किए गए 12 में से एक दस्तावेज देने होंगे। इसमें आधार कार्ड शामिल नहीं है। उक्त दस्तावेज नहीं देने पर वोटर को आयोग की ओर से नोटिस जारी किया जाएगा। दस्तावेज पेश नहीं करने पर नाम को सूची से डिलिट (हटा) कर दिया जाएगा। हालांकि जिन मतदाताओं के नाम 2003 और 2025 की मतदाता सूची में हैं, उन्हें कोई दस्तावेज देने की जरूरत नहीं होगी।

आम नागरिकों के निगम से जुड़े उनके कार्य सुगमतापूर्वक हों, अनावश्यक अवरोध पैदा न हो, यह अंतिम रूप से सुनिश्चित कराएं-महापौर संजूदेवी

कोरबा । कोरबा नगर निगम महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने निगम के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि आम नागरिकों के निगम से जुड़े विविध कार्य सुगमतापूर्वक किए जाएं, कार्यो में अनावश्यक अवरोध उत्पन्न न हो, कार्यो में देरी न की जाए, यह अंतिम रूप से सुनिश्चित कराएं। महापौर श्रीमती राजपूत ने विशेष रूप से रेखांकित करते हुए कहा कि जो कार्य नियमानुसार हैं तथा किए जाने योग्य है, वह सभी कार्य त्वरित रूप से समय सीमा के अंदर पूरे किए जाएं ताकि नागरिकों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होने कहा कि हम सबका प्रथम दायित्व है कि हम आमजन की समस्याओं के प्रति सजग रहें, उनकी समस्याओं व परेशानियों को समझे, उन्हें गंभीरता से लें तथा त्वरित निराकरण सुनिश्चित कराएं।महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने नगर पालिक निगम कोरबा के मुख्य प्रशासनिक भवन साकेत स्थित एम.आई.सी. सभाकक्ष में निगम के भवन अनुज्ञा विभाग, राजस्व विभाग, संपदा विभाग, अतिक्रमण सहित अन्य महत्वपूर्ण विभागों से जुड़े अधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक ली। इन विभागों से जुड़े कार्यो की कार्यप्रगति की बिन्दुवार समीक्षा की। महापौर श्रीमती राजपूत ने समीक्षा के दौरान अधिकारियों से कहा कि भवन निर्माण अनुमति से जुड़े कार्यो में अपेक्षित तेजी लाकर निर्धारित समयसीमा में भवन निर्माण की नियमानुसार अनुज्ञा दिया जाना सुनिश्चित करें, उन्होने कहा कि आमनागरिक अपनी सम्पत्तियों के नामांतरण, हस्तातरण आदि के लिए निगम में अपने आवेदन प्रस्तुत करते हैं। यदि नामांतरण, हस्तांतरण में अनावश्यक देरी होती है तो इससे लोगों को परेशानियॉं उत्पन्न होती हैं। अत: इनसे जुड़े कार्यो व प्रकरणों का निराकरण एक निश्चित समयसीमा के अंदर अनिवार्य रूप से सुनिश्चित कराएं, ताकि नागरिकों को बेवजह परेशानी न हों।बैठक के दौरान महापौर श्रीमती राजपूत ने निगम के राजस्व वसूली कार्यो की समीक्षा करते हुए कहा कि राजस्व वसूली कार्य को सुगम, सहज व पारदर्शी बनाएं ताकि एक ओर जहॉं निगम के राजस्व वसूली के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके, तो वहीं दूसरी ओर करदाताओं को भी किसी प्रकार की अनावश्यक असुविधा का सामना न करना पड़े। बैठक के दौरान उपायुक्त नीरज कौशिक, निगम सचिव रामेश्वर सिंह कंवर, निज सहायक सचिन तिवारी, संपदा अधिकारी अनिरूद्ध सिंह, सहायक राजस्व अधिकारी

युकियुक्त करण से शिक्षकों की विशेषज्ञता का लाभ सही रूप में पहुँच रही विद्यार्थियों तक

कोरबा । प्रदेश सरकार की युक्तियुक्त करण की नीति छात्र-छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की दिशा में सार्थक प्रयास है। प्रकिया के तहत पोड़ी उपरोड़ा विकासखंड के शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला लैंगा में हिंदी विषय के शिक्षक श्री गोरेलाल कंवर की पदस्थापना हुई है। विद्यालय में उनके आने से हिंदी विषय बच्चों को रोचक और प्रेरणादायक लगने लगा है।

श्री कंवर का शिक्षण शैली इतनी रोचक, जीवंत और प्रभावशाली है कि बच्चों का मन हिंदी विषय में रम गया है। चाहे कविता हो या गद्य, व्याकरण हो या साहित्य , वे हर पहलू को नाट्य रूपांतरण, संवाद, कहानी, गीत, या रचनात्मक शिक्षण शैली के माध्यम से बच्चों के मन में उतार देते हैं। कक्षा 8वीं में जब उन्होंने तैमूर लंग के आक्रमण से संबंधित गद्यांश पढ़ाया और मंचन के जरिए तैमूर और एक नन्हे बालक के संवाद को प्रस्तुत किया, तब बच्चों की आँखों में जिज्ञासा की चमक साफ दिखाई दी। इससे बच्चे इतिहास को अनुभव कर पाए। बच्चों को हिंदी की रस, छंद, अलंकार जैसे व्याकरण के अंश सरल लगने लगे हैं। साथ ही हिंदी साहित्य का इतिहास और व्याकरण के नियम की उन्हें गहनता से समझ आ रही है। कक्षा 8वीं के छात्र-छात्राएं कृ अनुसुइया, अंश, रश्मि, कल्पना, महिमा और लवकेश जैसे बच्चों ने बताया कि अब उन्हें हिंदी विषय पढ़ना मनोरंजन और ज्ञान' का स्रोत लगता है। श्री कंवर बच्चों को केवल पाठ्यक्रम की पढ़ाई तक सीमित नहीं रखते, वे उनमें अभिव्यक्ति और आत्मविश्वास की भावना भी भरते हैं।

राज्य वीरता पुरस्कार हेतु आवेदन आमंत्रित

कोरबा । राज्य वीरता पुरस्कार 2025 हेतु प्रविष्टियां निर्धारित प्रपत्र में आवेदन आमंत्रित किया गया है। इच्छुक आवेदक 20 दिसंबर 2025 तक कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास कोरबा में आवेदन कर सकते हैं। गौरतलब है कि राज्य शासन द्वारा प्रदेश के बच्चों को किसी घटना विशेष में उनके द्वारा प्रदर्शित अदम्य साहस एवं बुद्धिमता के लिए राज्य वीरता पुरस्कार प्रदान किया जाता है। इस संबंध में विस्तृत जानकारी हेतु कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास कोरबा से संपर्क किया जा सकता है।

धान खरीदी हेतु संवेदनशील धान उपार्जन केन्द्रों के लिए प्रभारी अधिकारी नामांकित

कोरबा। कलेक्टर श्री अजीत वसंत द्वारा समर्थन मूल्य पर धान खरीदी हेतु जिले के अति संवेदनशील एवं संवेदनशील धान उपार्जन केंद्रों के लिए प्रभारी अधिकारी नामांकित किया गया है।खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर धान का उपार्जन 15 नवंबर से सहकारी समितियो के माध्यम से किया जायेगा। समिति स्तर पर धान खरीदी अवधि के दौरान जिले के अति संवेदनशील एवं संवेदनशील खरीदी केन्द्रो में प्रभारी अधिकारी नामांकित किया गया है। जारी आदेश के अनुसार अति संवेदनशील धान उपार्जन केन्द्र उतरदा के लिए तहसीलदार हरदीबाजार अभिजीत राजभानू, कुल्हरिया के लिए तहसीलदार पसान विरेन्द्र कुमार और अखरापाली के लिए तहसीलदार दीपका अमित केरकेट्टा को प्रभारी अधिकारी नामांकित किया गया है।इसी प्रकार संवेदनशील धान उपार्जन केन्द्र भिलाईबाजार हेतु नायब तहसीलदार दीपका बंदेराम भगत, कटघोरा- तहसीलदार कटघोरा सूर्यप्रकाश केशकर, सुमेधा- तहसीलदार दर्री प्रियंका चंद्रा, करतला- नायब तहसीलदार करतला देवेन्द्र कुमार, तुमान- राजस्व निरीक्षक बरपाली केशर चौहान, बरपाली (बरपाली)- तहसीलदार बरपाली सत्यपाल प्रताप राय, उमरेली- राजस्व निरीक्षक कोथारी संवेदनशील धान उपार्जन केन्द्र सिरमिना हेतु राजस्व निरीक्षक पोंड़ी उपरोड़ा सुमनदास मानिकपुरी को प्रभारी अधिकारी नामांकित किया गया है।

डीएवी राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में पाण्डवपारा के खिलाड़ियों ने मारी बाजी

कोरिया पांडवपारा । डीएवी प्रबंधक समिति नई दिल्ली के निर्देशानुसार क्षेत्रीय निदेशक प्रशांत कुमार के कुशल निर्देशन में डीएवी राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता विभिन्न स्थानों भिलाई,जगदलपुर एवं बिलासपुर में आयोजित हुआ। इस प्रतियोगिता में डीएवी पब्लिक स्कूल पाण्डवपारा के कुल 31 विद्यार्थियों ने विविध इवेंट शतरंज, 100,200 मीटर दौड़, ताइक्वांडो, बाक्सिंग, आर्चरी, योगासन में हिस्सा लिया। इसमें बालक बालिका वर्ग से 14,17,19 वर्ष में अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विजेता बने। 31 खिलाड़ियों में से 25 खिलाड़ी विजेता बने। उन्हें 14 स्वर्ण, 9 रजत एवं 2 कांस्य पदक प्राप्त हुए। सभी गोल्ड मेडलिस्ट डीएवी नेशनल खेलने दिल्ली रवाना होंगे।सभी खिलाड़ियों को विद्यालय के प्राचर्य पी एल वर्मा ने बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की हार्दिक शुभकामनाएं दिए। उन्होंने कहा खेल से स्वावलंबन, समूह भावना, अनुशासन सीखने के साथ शरीर स्वस्थ रहता है। आयु विद्या यश में वृद्धि होती है। सभी विजेताओं को प्रात: कालीन सभा में करतल ध्वनि के बीच प्राचार्य के करकमलों से पुरस्कृत किया गया।संरक्षक शिक्षक संजय कुमार सिंह, डिंपल वैष्णव, वेदप्रकाश आर्य थे। विजेताओं में शतरंज खिलाड़ी हर्ष चौरसिया, निवेद जायसवाल, आदित्य शर्मा हेमवती नंदन है। बाक्सिग में हसन अली, असद रजा,वंश साहू,आकाश यादव है। ताइक्वांडो में शताक्षी अग्रवाल, श्रेया राजवाड़े हर्ष राजवाड़े, मृत्युंजय मिश्रा, ऋतिका देवर्शिका का नाम हैं। आर्चरी में कनिका जायसवाल वेटलिफ्टिंग में तौशीफ अंसारी ने बाजी मारी। 100, 200 मी दौड़ में अनुश कुमार ने जीत हासिल किया। 200 भी. दौड़ में अक्षत साहू रहा। योगासन में आदित्य राज सिंह, रौनक चंद्रवंशी, अजय कुमार, अंश कुमार एवं जय प्रकाश ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। उल्लेखनीय है कि कक्षा दूसरी के बाल शतरंज खिलाड़ी वेदांत चौरसिया को शह- मात के खेल में नायाब प्रदर्शन के लिए गोल्ड मेडल, स्मृति चिह्न एवं 500 रू नकद राशि से सम्मानित किया गया। इस शानदार सफलता से विद्यालय एवं नगर में खुशी की लहर व्याप्त है।

सीएमएचओ ने किया स्वास्थ्य केंन्द्रो का निरीक्षण

कोरबा । कोरबा जिला कलेक्टर अजीत वसंत के मार्गदर्शन में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस.एन. केशरी के द्वारा लगातार जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों तथा उप स्वास्थ्य केन्द्रों के सुदृढ़ीकरण हेतु निरीक्षण किया जा रहा है। इसी कड़ी में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के द्वारा रानी धनराज कुंवर देवी शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कोरबा, शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर इमलीडुग्गू, सीतामणी तथा 15 ब्लाक का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होने अधिकारियों/कर्मचारियों की उपस्थिति रजिस्टर, ओ.पी.डी., आई.पी.डी, प्रसव कक्ष, दवा वितरण कक्ष, दवा भंडार कक्ष पैथोलॉजी कक्ष तथा वैक्सीनेशन कक्ष का निरीक्षण किए। उन्होंने दवाईयों की उपलब्धता, उपकरणों तथा दस्तावेजों का सही रख रखाव पर ध्यान देने, सभी स्वास्थ्यगत व्यवस्थाओं को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए कार्यों की गुणवत्ता में वृद्धि करने, विद्युत व्यवस्था अच्छी रखने, अस्पताल तथा अस्पताल परिसर की साफ-सफाई रखने के निर्देश दिये। समस्त स्वास्थ्य संस्थाओं में एन.सी.डी, सिकलसेल, आयुष्मान भारत किशोर स्वास्थ्य क्लीनिक इत्यादि समस्त राष्ट्रीय कार्यक्रमों का संचालन बेहतर ढंग से संचालित करने तथा समस्त कार्यक्रमों की रिपोर्टिंग समय पर आनलाईन तथा आफलाईन करने को निर्देश दिए। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस.एन. केशरी ने सर्दी के मौसम में होने वाली बुखार, सर्दी-खांसी की संपूर्ण दवाएं स्वास्थ्य केन्द्रों में रखने, समस्त राष्ट्रीय कार्यक्रमों का बेहतर ढंग से क्रियान्वयन करने तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के संबंध में जागरूकता संबंधी जानकारी लोगों को देने, तथा सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति तथा निर्धारित समय पर कार्य संपादन करने एवं मुख्यालय में रहने का निर्देश दिये।

सिंधी समाज ने मनाया गुरूनानक देव का प्रकाशपर्व

कोरबा। गुरु नानक देव जी का 556 वां प्रकाश पर्व (जन्मोत्सव) पूज्य सिंधी पंचायत कोरबा व संत बाबा बाजाराम दरबार की संयुक्त अगुवाई में बुधवार 05 नवंबर को नगर के सिन्धी समाज द्वारा स्थानीय रानी रोड स्थित सिन्धु भवन शहीद हेमू कालाणी नगर में बड़े ही उल्लासमय वातावरण में पुर्ण श्रद्धा व भक्ति भाव से मनाया गया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम प्रात: 11 बजे से संत बाजाराम दरबार में जारी 11 दिवसीय श्री पाठ साहेब की समाप्ति का कार्यक्रम अर्थात 'श्री भोग साहेब' आरंभ हुआ जो गुरबाणी के शब्द-कीर्तन के बाद आरती अरदास व पल्लव के साथ दोपहर 1.30 बजे संपन्न हुआ। जिसके बाद भाई साहब नारायण दास जज्ञासी एवं पंचायत अध्यक्ष चन्दन दास कोटवानी ने सभी को पर्व की बधाईयां दीं। भोग साहब के बाद प्रसाद वितरण एवं उसके पश्चात सिन्धु भवन में दोपहर 2 बजे से गुरु के अटूट लंगर (आम भंडारा) का आयोजन किया गया जिसमें संध्या 5 बजे तक सिंधी समाज के साथ अन्य गुरु नानक देव के भक्तों ने बड़ी संख्या में सपरिवार श्रद्धा भाव से भोजन प्रसाद ग्रहण किया।रात्रि 1.20 पर गुरु नानक देव जी के जन्म समय पर संत बाजाराम दरबार के समक्ष उपस्थित प्रेमियों ने आतिशबाज़ी के साथ जन्मोत्सव की खुशियां मनाई गई।

इसके एक दिन पहले 4 नवंबर को भी समाज जनों ने प्रभात फेरी निकाल कर कीर्तन-भजन करते हुए नगर भ्रमण किया।

टोकन तुंहर हाथ- मोबाइल एप के माध्यम से ही जारी होंगे धान खरीदी टोकन

आधार आधारित ओटीपी प्रमाणीकरण अनिवार्य

कोरिया बैकुंठपुर। धान खरीदी व्यवस्था में पारदर्शिता और सुव्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से इस वर्ष किसानों को धान विक्रय के लिए तुंहर टोकन मोबाइल एप के माध्यम से टोकन जारी किए जाएंगे। शासन द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार टोकन प्रतिदिन सुबह 8 बजे से 9.30 बजे तक केवल मोबाइल एप पर ही उपलब्ध होंगे। वहीं, सोसायटी संचालक पिछले वर्ष की भांति सुबह 9:30 बजे से टोकन जारी कर सकेंगे। जारी निर्देशों के अनुसार किसानों को अगले 7 खरीदी दिवसों के लिए टोकन प्राप्त करने की सुविधा रहेगी। टोकन पर दर्ज धान की मात्रा किसान के डीसीएस / गिरदावरी / पीवी रकबे के अनुसार पंजीकृत धान रकबा से अधिक नहीं होगी।किसान श्रेणी के अनुसार टोकन जारी करने की सीमा निर्धारित की गई है।लघु एवं सीमांत किसानों को अधिकतम 2 टोकन, बड़े किसानो को अधिकतम 3 टोकन जारी किए जाएंगे। पारदर्शिता बढ़ाने और अनधिकृत व फर्जी टोकन जारी होने से रोकने के लिए आधार आधारित ओटीपी प्रमाणीकरण को अनिवार्य किया गया है। टोकन जारी करने के दौरान किसान के आधार नंबर पर ओटीपी सत्यापन होगा, जिससे किसान की पहचान सुनिश्चित होगी और उनकी जानकारी व सहमति के बिना टोकन जारी नहीं हो सकेगा।प्रशासन ने किसानों से तुंहर टोकन मोबाइल एप का उपयोग कर निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार टोकन प्राप्त करने की अपील की है, ताकि धान खरीदी कार्य सुचारू और व्यवस्थित रूप से संचालित।

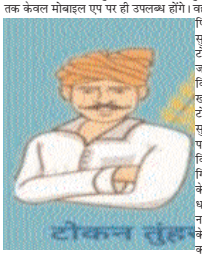

राज्योत्सव में आयुर्वेद का आकर्षण: कोरिया जिले में वन विभाग का स्टाल बना केंद्र बिंदु

कोरिया बैकुंठपुर । प्रदेश में मनाए जा रहे राज्योत्सव के अवसर पर इस वर्ष का आयोजन विशेष रूप से पारंपरिक चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद को समर्पित नजर आया। जिले के वन विभाग के द्वारा आयोजित राज्योत्सव में आयुर्वेद को प्राथमिकता देते हुए एक विशेष आयुर्वेदिक स्टाल लगाया गया, जिसने आगंतुकों का विशेष ध्यान आकर्षित किया।कार्यक्रम के दौरान आम जनता में आयुर्वेद के प्रति उत्साह और जिज्ञासा देखते ही बन रही थी। लोग बड़ी संख्या में इस स्टाल पर पहुँचकर आयुर्वेदिक औषधियों, पौधों और प्राकृतिक उपचार विधियों के बारे में जानकारी लेते नजर आए। वहीं कई लोगों ने अपने स्वास्थ्य के अनुसार आयुर्वेदिक दवाएं भी खरीदीं। स्टाल पर मौजूद विशेषज्ञों ने उपस्थित लोगों को घरेलू जड़ी-बूटियों के उपयोग, रोगों की प्राकृतिक चिकित्सा और संतुलित जीवनशैली के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी।वन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी इस अवसर पर सक्रिय भागीदारी निभाई। विभाग के अधिकारियों ने बताया कि आयुर्वेद सिर्फ चिकित्सा पद्धति नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक प्राकृतिक शैली है, जिसे आज के समय में फिर से अपनाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जंगलों में पाई जाने वाली कई औषधीय वनस्पतियाँ मानव स्वास्थ्य के लिए अमूल्य हैं, जिन्हें पहचानकर और सुरक्षित रखकर आने वाली पीढ़ियों के लिए लाभकारी बनाया जा सकता है।कार्यक्रम में विभागीय कर्मचारियों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए आयुर्वेद के सिद्धांतों और औषधीय पौधों के महत्व को आम लोगों के बीच साझा किया। लोगों ने बताया कि आधुनिक जीवनशैली में बढ़ते रोगों और दुष्प्रभावों से बचने के लिए आयुर्वेदिक उपचार एक सुरक्षित और दीर्घकालिक विकल्प बनता जा रहा है।राज्योत्सव के इस आयोजन में आयुर्वेदिक स्टाल पर दिनभर भीड़ बनी रही। स्थानीय नागरिकों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से न केवल परंपरागत ज्ञान को बढ़ावा मिलता है, बल्कि लोग अपने स्वास्थ्य के प्रति अधिक सजग भी होते हैं।कार्यक्रम के अंत में वन विभाग के अधिकारियों ने कहा कि भविष्य में भी इस प्रकार के जनजागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से आयुर्वेद को ग्राम स्तर तक पहुँचाने का प्रयास किया जाएगा, ताकि 'स्वस्थ छत्तीसगढ़' का सपना साकार हो सके। राज्योत्सव में आयुर्वेद का यह जीवंत प्रदर्शन प्रदेश की परंपरा, प्रकृति और स्वास्थ्य के समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण बनकर सामने आया।

अमित बघेल के खिलाफ एकजुट हुए कई सामाजिक लोग, पहुंचे सिटी कोतवाली

कोरिया बैकुंठपुर । कोरिया जिले के बैकुंठपुर में अग्रवाल महासभा ने छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना के नेता अमित बघेल के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। महासभा के पदाधिकारियों ने बैकुंठपुर थाना सिटी कोतवाली पहुंचकर ज्ञापन सौंपते हुए समाज के महापुरुषों के विरुद्ध की गई आपत्तिजनक टिप्पणी पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।अग्रवाल महासभा ने आरोप लगाया है कि 26 अक्टूबर को मीडिया में दिए बयान में अमित बघेल ने पूज्य महाराजा अग्रसेन , डॉ. श्यामप्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और सिंधी समाज के आराध्य देवता श्री झूलेलाल जी के प्रति अमर्यादित और अभद्र भाषा का प्रयोग किया है, जिससे समाज की धार्मिक और सामाजिक भावनाएं आहत हुई हैं।महासभा ने कहा है कि ऐसे बयान सामाजिक सौहार्द्र और शांति व्यवस्था के लिए खतरा हैं। उन्होंने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है, साथ ही चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो सर्वसमाज उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगा।

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25
सतत प्रगति पथ पर
छत्तीसगढ़
बस्तर में बदलाव की बयार
श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़
श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री
» नक्सलवाद पर निर्णायक प्रहार
» 24,000 करोड़ रुपए के निवेश से विकास की नई उड़ान
» जांगला (बीजापुर) देश का पहला हेल्थ वेलनेस सेंटर, आयुष्मान भारत की सौगात
» नगरनार स्टील प्लांट राष्ट्र को समर्पित
» रावघाट जगदलपुर नई रेल लाइन परियोजना से विकास को नई रफ्तार
» 50,000 करोड़ की बोधघाट बहुउद्देशीय परियोजना बिजली, सिंचाई, रोजगार और पेयजल का मिलेगा लाभ
S-45738/1
छत्तीसगढ़ जनसंपर्क
सुशासन से समृद्धि की ओर
ChhattisgarhCMO
DPRChhattisgarh
www.dprcg.gov.in

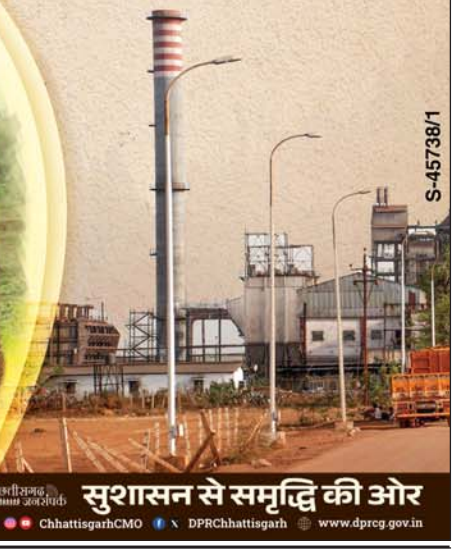

तरुण छत्तीसगढ़

e-Paper
www.tarunchhattisgarhkorba.com

वंदे मातरम् : राष्ट्र गीत के 150 वर्ष पूरे, हुआ सामूहिक गायन

एक वर्ष तक होंगे विभिन्न आयोजन

कोरबा। मातृभूमि की वंदना के साथ मानव जाति पर उसके उपकार और योगदान पर केंद्रित राष्ट्र गीत वंदे मातरम् का सामूहिक गायन आज कोरबा सहित देश भर में एक ही समय पर हुआ। सरकारी और गैर सरकारी कार्यालयों के अलावा स्कूलों और अन्य संस्थानों में लोगों ने एकत्र होकर भारत के राष्ट्र गीत को आवाज दी। इसके माध्यम से उन्हें भारतभूमि की कई विशेषताओं की जानकारी भी हुई। उन्होंने बंकिमचंद्र चटोपाध्याय का आभार इसलिए जताया कि उन्होंने एक श्रेष्ठ रचना का उपहार दिया।

वर्ष 1875 में बंकिमचंद्र चटोपाध्याय ने वंदेमातरम की रचना की। इसमें भारतभूमि की संरचना से लेकर उसके अनेकानेक पहलुओं को शामिल किया। पूरे गीत में अनेक तत्वों को शामिल करने के साथ बताया गया कि यह कितनी उर्वर और उपयोगी है। इसका कोना-कोना सुख-समृद्धि के साथ-साथ जनजीवन के लिए अपनी भूमिका निभाता है। गीत में कुछ पंक्तियां ऐसी भी है जिनमें इस बात का उल्लेख है कि 10 प्रहर दैवीय शक्तियां भी इस दिव्य भूमि की आराधना किया करती हैं और इसका ध्यान रखती हैं। स्वाधीनता के दिनों में इस राष्ट्र गीत ने लोगों को आपस में जोड़ने का काम किया है इसलिए लगातार यह बात प्रचारित होती रही कि भारत माता के वीर सपूतों को प्रोत्साहित करने के लिए वंदे मातरम् की पंक्तियां केवल शब्द या विन्यास नहीं थी बल्कि उन्होंने एक प्रेरक मंत्र की भूमिका निभाई। भारत सरकार के द्वारा इस गीत के 150 वर्ष पूरे होने पर जिला मुख्यालय कोरबा सहित सभी तहसील और विकासखंड के अलावा विभिन्न क्षेत्रों में इसका सामूहिक गायन कराया गया। अधिकारियों, कर्मियों से लेकर स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थी, जनप्रतिधियों और आम नागरिकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के साथ भारत के राष्ट्र गीत को स्वर दिया। उन्होंने इसी बहाने अपने राष्ट्रीय सरोकार भी दिखाए।

जानकारी के अनुसार 7 नवंबर से शुरू हुआ यह अभियान अगले वर्ष इसी तिथि को संपूर्ण होगा। एक वर्ष तक राष्ट्र गीत पर आधारित अनेक कार्यक्रम चार सोपान में किए जाएंगे। इसके अंतर्गत 19 से 26 जनवरी 2026, 8 से 15 अगस्त 2026 और 1 से 7 नवंबर 2026 की अवधि में अलग-अलग स्तर पर कार्यक्रम किए जाने हैं। इसका पहला चरण आज शुक्रवार 7 नवंबर को शुरू हुआ है जो 15 नवंबर तक जारी रहेगा।

कटघोरा पुलिस थाना परिसर में वंदे मातरम् गायन के दौरान पुलिस कर्मी और नागरिक।

ठंड की शुरुआत के साथ बढ़ी फूलों की डिमांड, नर्सरी में ग्राहकों की बढ़ी भीड़

कोरबा। ठंड का मौसम शुरू होते ही लोगों का रुझान फूलों की ओर बढ़ गया है। स्थानीय नर्सरी में फूलों की बिक्री में तेजी देखी जा रही है। यहां आने वाले लोगों को पौधे लगाने और उनकी देखभाल के तरीके भी बताए जा रहे हैं ताकि वे अपने घरों और बगीचों में रंग-बिरंगे फूल सजा सकें।

मार्केट में इस समय गुड़हल, डहेलिया, सेवंती, चंपा, कनेर, गुलाब सहित कई विदेशी प्रजातियों के फूल उपलब्ध हैं। इनमें से कुछ पौधे कोरबा में ही तैयार किए जा रहे हैं, जबकि कई पौधे पश्चिम बंगाल के कोलकाता और ओडिशा से लाए जा रहे हैं। जानकारों का कहना है कि कोरबा में फूलों के प्रति लोगों की दीवानगी लगातार बढ़ रही है।

सुंदर बगीचा और घर की शोभा बढ़ाने की चाह में लोग अच्छी किस्म के फूलों के लिए अधिक कीमत देने से भी नहीं हिचक रहे हैं।

हॉर्टिकल्चर डिपार्टमेंट के अधिकारी ने बताया कि फूलों को कम पानी और खाद की आवश्यकता होती है लेकिन संरक्षण पर विशेष ध्यान देना होता है समय के साथ कई प्रकार की तकनीकी के सामने आई है और इसके माध्यम से लोग बहुत कुछ अपने स्तर पर कर सकते हैं इसमें ग्राफ्टिंग भी एक व्यवस्था है जिसमें पौधों की कमल को एक दूसरे में अटैच कर एक नया परिणाम आप प्राप्त कर सकते हैं।

झोराघाट में पुण्य स्नान के साथ वनभोज

कोरबा। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर श्रद्धालुओं और आम लोगों से गुलजार रहे। लोगों ने नदी में स्नान करने के साथ दीपदान किया और इसके बाद वन भोज का आनंद भी लिया। उन्होंने ऐसे स्थान के संरक्षण पर विशेष जोर दिया।

कुदमुरा स्कूल में गूंजा वंदे मातरम्

सेजेस शासकीय विद्यालय कुदमुरा में वंदे मातरम् राष्ट्र गीत के 150 वर्ष पूरे होने पर आज विद्यार्थियों और शिक्षकों ने सामूहिक गायन किया। एसएमडीसी के सदस्य, सरपंच और क्षेत्र के जनप्रतिनिधि भी यहां उपस्थित थे।

बोर्ड संचालन मंडल की बैठक में होगी समस्याओं पर चर्चा

कोरबा। बिजली कर्मचारी संघ के द्वारा पुराने पेंशन स्कीम व संविदा के आधार पर नौकरी कर रहे कर्मचारियों को नियमित करने सहित अन्य मांगों को लेकर प्रदर्शन किया जा रहा था। बिजली कर्मचारी संघ के द्वारा प्रस्ताव बनाकर भी भेजा गया था। इन सभी मामलों पर बोर्ड संचालन की बैठक में चर्चा होगी।

14 नवंबर को होने वाले इस बैठक पर बिजली कर्मचारियों की नजर है। ज्ञातव्य है कि बिजली कर्मचारी संघ के द्वारा अपनी कई मांगों को लेकर लगातार आंदोलन कर रहे थे। कोरबा पूर्व व पश्चिम में अलग-अलग आंदोलन हुए थे। यहां के कर्मचारी रायपुर में भी जाकर प्रदर्शन किया था। इसके अलावा रायपुर में लगातार धरना भी दिया गया। उनकी मांगों को पूरा करने के आश्वासन पर ही आंदोलन वापस लिया गया। अब बोर्ड संचालन समिति की बैठक 14 नवंबर को होने वाली है। इस बैठक में अगर नतीजा नहीं आता है तो पुनः आंदोलन करेंगे। राष्ट्रीय सचिव राधेश्याम जायसवाल, नवरतन बरेठ कर्मचारियों की बैठक लेंगे। इस बैठक में अमर सिंह राठौर, अजय मिश्रा, पूर्णिमा साहू, संदीप राठौर सहित सभी क्षेत्रों के कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे।

समय पर कराएं धान का उठाव सूखत होने पर दी जाए क्षतिपूर्ति

धान खरीदी शुरू होने से पहले चार मांगों को लेकर हड़ताल

कोरबा। सरकार की व्यवस्था के अंतर्गत 15 नवंबर से कोरबा जिले में किसानों की धान खरीदी की जानी है। सरकार ने इसके लिए समर्थन मूल्य घोषित कर दिया है। जिले में मुख्य रूप से धान की तीन किस्मों का उत्पादन होता है और इसी के अनुक्रम में खरीदी की जाती है। खरीदी से ठीक पहले सहकारी समितियों के कर्मियों ने चार मांगों को लेकर हड़ताल की है। वे चाहते हैं कि इन मांगों पर पहले विचार हो।

कोरबा जिले में 49 समितियों के अंतर्गत 65 उपार्जन केंद्र शामिल हैं, जहां पर धान काा उपार्जन इस वर्ष 15 नवंबर से होना है। बीते वर्षों की तुलना में किसानों की संख्या में बढ़ोत्तरी हुई है। वनभूमि का पट्टा किसानों को देने और कृषि रकबा में बढ़ोत्तरी होने के कारण किसानों की संख्या में वृद्धि हुई है। बढ़ी संख्या के असली कारणों को पीछे रखते हुए प्रशासन ने 18 केंद्रों को संवेदनशील घोषित किया है और निगरानी की बात कही है। इधर उपार्जन केंद्रों के कर्मचारी चार मुद्दों को लेकर हड़ताल पर हैं। उनका कहना है कि उपार्जित मात्रा का उठाव समय पर कराना सुनिश्चित हो और ऐसा न होने पर सूखत होती है तो हमें क्षतिपूर्ति दी जाए। ट्रांसोर्टिंग से लेकर अन्य तीन मुद्दों पर उन्होंने अपना रूख कड़ा कर लिया है। उनका कहना है कि बेमतलब का दबाव बनाने और अन्य मसलों पर इंटरटेन भी नहीं किया जा सकेगा। उन्होंने अन्य समस्याओं पर भी ध्यान आकर्षित कराया है। इससे पहले ही जिला स्तर पर प्रदर्शन करने के साथ सहकारी समिति कर्मचारी संघ अपनी मांगों से प्रशासन को अवगत करा चुका है। कहा गया कि वे सरकार का रूख अपनी मांगों को लेकर देखेंगे और 15 नवंबर से धान उपार्जन शुरू करने पर विचार करेंगे।

डिंगापुर के आयुष पॉलिक्लीनिक में लोगों को मिलेंगी कई सुविधाएं

कोरबा। छत्तीसगढ़ आयुष विभाग के द्वारा कोरबा के डिगापुर इलाके में आयुष पॉलीक्लोनिक शुरू किया गया है। कई प्रकार के संसाधन और सुविधाएं यहां पर उपलब्ध कराई गई है। नगर निगम में मेयर इन काउंसिल के सदस्य हितानंद अग्रवाल ने फीता काटकर इसका शुभारंभ किया। आयुष की टीम इस अवसर पर उपस्थित थी।

सरकार के द्वारा दी गई मंजूरी के बाद आयुष क्लीनिक का निर्माण कोरबा में कराया गया। सिंगापुर क्षेत्र में यह इकाई पूरी तरह से तैयार हो गई है । इसमें कई प्रकार के संसाधन से लेकर सुविधा मुहैया कराई गई है जिसके माध्यम से लोगों को बेहतर आयुष उपचार दिया जा सकेगा। नगर निगम कोरबा में मेयर इन काउंसिल के मेंबर हितानंद अग्रवाल ने शुभारंभ अवसर पर यह सुविधा देने के लिए आभार जताया। जिला आयुष अधिकारी डॉक्टर उदय शर्मा ने बताया कि पर्याप्त मैनपॉवर के साथ यहां पर आधुनिक उपकरण दिए गए हैं। आयुष के जितने सोपान है उसके तहत मरीजों को राहत देने की कोशिश की जाएगी। आयुष हॉस्पिटल के शुभारंभ के अवसर पर डॉक्टर दिवाकर त्रिपाठी सहित विभिन्न क्षेत्रों में सेवाएं दे रहे आयुष चिकित्सक और कर्मचारी गण उपस्थित थे।

स्वास्थ्य परीक्षण शिविर 9 को

कोरबा। स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन 9 नवंबर को छुरी बस स्टैंड के निकट आयोजित किया गया है। सांस्कृतिक भवन में आयोजित इस शिविर को सफल बनाने के लिए नगर पंचायत की अध्यक्ष पद्मिनी देवांगन तैयारी में जुट गई है। इसके अलावा विधायक प्रतिनिधि प्रीतम देवांगन, उपाध्यक्ष हीरानंद पंजवानी, रमेश श्रीवास, टिकैत डोंगरे, श्यामलाल साहू सहित अन्य कार्यकर्ता प्रचार में जुटे हुए हैं।

वरिष्ठता के आधार पर आवास देने की मांग

कोरबा। भारतीय कोयला खदान मजदूर संगठन के अमिया मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रबंधन के साथ हुई वार्ता में वरिष्ठता के आधार पर आवास देने की मांग की गई है। कई ऐसे कर्मचारी हैं जो काफी वरिष्ठ हैं, उन्हें आज तक आवास नहीं मिल पाया है। इस मामले को प्रबंधन ने काफी गंभीरता से लिया है। इसी तरह कोरबा पूर्व के मानिकपुर में भी हाउसिंग कमेटी के सदस्य प्रयासरत हैं कि आवास वरिष्ठता के आधार पर दिया जाए। यहां के संजय सिंह का कहना है कि प्रबंधन को वरिष्ठता सूची उपलब्ध करा दिया गया है। जीएम शाखा के भुवनेश्वर कश्यप व संजय दयाल के द्वारा भी लगातार वरिष्ठता सूची को महत्व दिए जाने की मांग करते रहे हैं।

बसपा चलाएगा सदस्यता अभियान

कोरबा। बसपा के प्रदेश प्रभारी दाऊराम रत्नाकर के द्वारा मानिकपुर में कार्यकर्ताओं की बैठक ली गई। जिसमें कार्यकर्ताओं को स्पष्ट निर्देश दिया गया कि इस बार अधिक से अधिक संख्या में लोगों को जोड़ा जाए, ताकि संगठन और मजबूत हो सके। कोरबा विधानसभा के अध्यक्ष गज्जू चौहान के द्वारा सेक्टर स्तर पर किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि सभी 24 सेक्टर में समिति गठित कर ली गई है। इसी तरह कटघोरा विधानसभा क्षेत्र के अध्यक्ष राघवेंद्र मनहर ने अपनी बात रखते हुए कहा कि सेक्टर स्तर पर लगातार बैठक किए जा रहे हैं। समिति सदस्यों के द्वारा अब जोर-शोर से सदस्यता अभियान चलाया जाएगा। बैठक में जिलाध्यक्ष फूलचंद सोनवानी, महेंद्र निराला, महेंद्र मिरी, भगवती केमेंडिज, राजकुमारी नारंगे, कार्तिक बाई, नीलेश सोनवानी सहित अनेकों कार्यकर्ता मौजूद थे।

वेदांता पावर बिजनेस ने तमिलनाडु डिस्कॉम से किया 500 मेगावॉट का पावर पर्चेस एग्रीमेंट

कोरबा। वेदांता लिमिटेड की ऊर्जा व्यवसाय इकाइयों मीनाक्षी एनर्जी लिमिटेड (एमईएल) और वेदांता लिमिटेड छत्तीसगढ़ थर्मल पावर प्लांट (व्हीएलसीटीपीपी) ने तमिलनाडु पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉरपोरेशन लिमिटेड (टीएनपीडीसीएल) के साथ 500 मेगावॉट का पावर पर्चेस एग्रीमेंट (पीपीए) किया है। इंडीपेंडेंट पावर प्रोड्यूसर (आईपीपी) व्यवसाय के क्षेत्र में यह अनुबंध वेदांता के लिए मील का पत्थर है। इससे विश्वसनीय ऊर्जा आपूर्तिकर्ता के तौर पर देश में कंपनी की स्थिति मजबूत हुई है।

लेटर ऑफ अवॉर्ड (एलओए) के अनुसार टीएनपीडीसीएल को एमईएल द्वारा 300 मेगावॉट और व्हीएलसीटीपीपी द्वारा 200 मेगावॉट विद्युत की आपूर्ति की जाएगी। अनुबंध की अवधि 1 फरवरी 2026 से 31 जनवरी 2031 तक पांच वर्षों के लिए 5.38 रुपए प्रति किलोवॉट घंटा के समतुल्य दर से प्रभावी होगी। टीएनपीडीसीएल ने 1580 मेगावॉट विद्युत आपूर्ति की निविदा जारी की थी जिसमें से सबसे अधिक हिस्सेदारी वेदांता पावर की इकाइयों एमईएल, आंध्रप्रदेश और व्हीएलसीटीपीपी, छत्तीसगढ़ को मिली। यह पीपीए वेदांता पावर की प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त और प्रचालन उत्कृष्टता का द्योतक है। वेदांता ने इन दोनों विद्युत इकाइयों का अधिग्रहण कर रिकॉर्ड समय में विद्युत उत्पादन प्रारंभ

किया।

इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर वेदांता लिमिटेड के सीईओ-पावर राजिंदर सिंह आहूजा ने कहा कि " देश की ऊर्जा सुरक्षा के लिए विश्वसनीय बेसलोड पावर बहुत जरूरी है। इसी तरह छत्तीसगढ़ के सिंघीतराई में स्थित वेदांता लिमिटेड छत्तीसगढ़ थर्मल पावर प्लांट (व्हीएलसीटीपीपी) की उत्पादन क्षमता 1,200 मेगावॉट है। इस संयंत्र को पूर्व में एथेना छत्तीसगढ़ पावर लिमिटेड (एसीपीएल) के नाम से जाना जाता था जिसे वर्ष 2022 में अधूरी परियोजना के तौर पर अधिग्रहित किया गया था। अगस्त 2025 में इसकी पहली 600 मेगावॉट इकाई की कमीशनिंग हुई।

वेदांता अपने विभिन्न व्यवसायों में 12 गीगावॉट क्षमता के तापीय विद्युत इकाइयों का प्रचालन करता है। इसमें 5 गीगावॉट की मर्चेंट पावर क्षमता (आईपीपी परिसंपत्तियां) पंजाब, आंध्रप्रदेश, छत्तीसगढ़ और ओडिशा में स्थित हैं। ये परिसंपत्तियां वेदाता पावर व्यवसाय के अंग हैं जिनके भरोसेमंद और निरंतर विद्युत आपूर्ति से देश की ऊर्जा सुरक्षा व आर्थिक प्रगति सुनिश्चित करने में मदद मिली है।

वेदांता पावर के बारे में: वेदांता समूह क्रिटिकल मिनरल्स, ट्रांजिशन मेटल्स, ऊर्जा एवं तकनीकी क्षेत्रों में वैश्विक नेतृत्वकर्ता है जिसके प्रचालन भारत और विदेशों में हैं। वेदांता का ऊर्जा व्यवसाय भारत के सबसे बड़े निजी थर्मल ऊर्जा व्यवसायों में से एक है, जिसके पास 12,000 मेगावाट से अधिक थर्मल पावर उत्पादन करने की क्षमता है। देश की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने और उत्पादन में केंद्रीय भूमिका निभाने के लिए वेदांता पावर समर्पित है। वेदांता पावर के प्लांट मानसा, पंजाब (तलवंडी साबो पावर लिमिटेड), सिंघीतराई, छत्तीसगढ़ (वेदांता लिमिटेड छत्तीसगढ़ थर्मल पावर प्लांट), तिरुपति, आंध्र प्रदेश (मीनाक्षी एनर्जी लिमिटेड) और झारसुगुड़ा, ओडिशा (झारसुगुड़ा आईपीपी प्लांट) में स्थित हैं। इन संयंत्रों की कुल स्थापित मर्चेंट पावर क्षमता 4,780 मेगावाट है, जो देश भर में विभिन्न डिस्कॉम, उपयोगिताओं और उद्योगों को ऊर्जा प्रदान कर रहे हैं।

मीनाक्षी एनर्जी लिमिटेड (एमईएल) आंध्र प्रदेश के तिरुपति जिले के थम्मिनपट्टनम में स्थित है। एमईएल की चार इकाइयां (2 गुणा 150 मेगावॉट तथा 2 गुणा 350 मेगावॉट) हैं जिनकी कुल उत्पादन क्षमता 1,000 मेगावॉट है। वेदांता लिमिटेड की यह सहायक कंपनी सुरक्षित विश्वसनीय और जिम्मेदार विद्युत उत्पादन की दिशा में प्रचालन एवं अनुरक्षण के कड़े मानकों, ईंधन बचत एवं सुरक्षा तथा मजबूत सामुदायिक भागीदारी का पालन सुनिश्चित करती है।

वेदांता लिमिटेड के बारे में: वेदांता समूह क्रिटिकल मिनरल्स, ट्रांजिशन मेटल्स, ऊर्जा एवं तकनीकी क्षेत्रों में वैश्विक नेतृत्वकर्ता है। इसके प्रचालन भारत, दक्षिण अफ्रिका, नामिबिया, लाइबेरिया, यूएई, सऊदी अरब, कोरिया, ताइवान तथा जापान में स्थित हैं। दुनिया के सबसे बड़े एकीकृत जिंक उत्पादक, चौथे सबसे बड़े वैश्विक चांदी उत्पादक और दुनिया भर में एल्यूमिनियम के शीर्ष उत्पादकों में से एक के तौर पर एनर्जी ट्रांजिशन के लिए जरूरी सामग्रियों की वैश्विक आपूर्ति में वेदांता की भूमिका अहम है। यह कंपनी भारत की एकमात्र निजी तेल और गैस उत्पादक और सबसे बड़े निजी ऊर्जा उत्पादकों में से एक भी है। ग्लोबल ईएसजी चौंपियन के तौर पर, वेदांता 2050 तक या उससे पहले नेट-जीरो उत्सर्जन हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध है।

स्किल डेवलपमेंट की व्यवस्था करने की मांग

कोरबा। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के गेवरा क्षेत्रीय कार्यालय पहुंचकर रेलया और बामनपार्ट्स गांव के लोगों के द्वारा स्किल डेवलपमेंट के लिए आवश्यक प्रबंध करने की मांग की गई। काफी संख्या में गांव के लोग यहां पर पहुंचे थे। उनके द्वारा शिकायत की गई की भू अर्जन के बाद स्थाई रोजगार की व्यवस्था नहीं कराई गई है इसलिए वैकल्पिक रूप से कुछ तो किया जाए। उनकी मांग है कि उनकी तकनीकी दक्षता को विकसित करने के लिए प्रशिक्षण और अन्य कार्य कराई जाए। उनके द्वारा प्रबंधन के अधिकारियों को इस बारे में ज्ञापन दिया गया

मृतकों को श्रद्धांजलि

कोरबा। कोरबा में आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने बिलासपुर रेल हादसे में दिवंगत हुए यात्रियों और लोको पायलट की आत्मा की शांति के लिए कैंडल जलाएं और श्रद्धांजलि दी। नेताजी चौराहे के पास स्थित प्रतिमा के सामने आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता इकट्ठे हुए। उन्होंने अपने सरोकारों का प्रदर्शन किया।

फ्लैट बेचना है

बुधवारी बाजार घंटाघर रोड स्थित पावर हाइट सोसायटी में 3 बीएचके सेमी फर्निश्ड फ्लैट बेचना है।

संपर्क करें
8770934804

सेल्समेन की आवश्यकता है

Shree Balaji Pharma
स्थान : कोरबा (Korba)
क्या आप हेल्थकेयर सेक्टर में अपना करियर बनाना चाहते हैं?
Shree Balaji Pharma आपको एक सुनहरा अवसर दे रही है अपनी सेल्स टीम में शामिल होने का।
योग्यता :
➲अच्छे कम्युनिकेशन और प्रेजेंटेशन स्किल्स
➲फ्रेशर या एक्सपीरियंस दोनों आवेदन कर सकते हैं।
संपर्क करें
9589590999

स्वामी कौशल किशोर मिश्र की ओर से प्रकाशक, मुद्रक सुभाष अग्रवाल द्वारा आकाश आफसेट प्रिंटर्स से मुद्रित कर तिलक मार्ग, ट्रासंपोर्ट नगर, कोरबा से प्रकाशित, संपादक सुभाष अग्रवाल फोन: 221149, मो. : 9425224167 आर.एन.आई. पंजी. नं. 50254/89, ई-मेल tarunpresskrb@gmail.com